जीवन दर्शन

सुखी व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार ढला हुआ नही होता है बल्कि उसके जीवन जीने का दृष्टिकोण और नजरिया अलग होता है - ह्यूग डाउन्स

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

मंगलवार 27 मई, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 105 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

प्रणय-लक्ष्य और सिंधु सिंगापुर ओपन में पेश करेंगे चुनौती, ...

पृष्ठ 8 पर

पाकिस्तान को चेतावनी दी: भुज में मोदी बोले अपनी रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही

नई दिल्ली ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। भुज में उन्होंने कहा कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। इससे पहले, दाहोद में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। कहा, 'जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया।'

मोदी ने कहा, 'आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है।' मोदी सोमवार सुबह पहले वडोदरा, फिर दाहोद और इसके बाद भुज पहुंचे। तीनों जगह उन्होंने रोड शो किया। दाहोद और भुज में जनसभा की। पीएम ने भुज में 53,400 करोड़ रुपए के 31 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और ई-लोकार्पण भी किया।

भारत विश्व की चौथी इकोनॉमी बन गया

पीएम ने कहा कि भारत विश्व की चौथी बड़ी इकोनॉमी बन गया है। आज

पाकिस्तान की हालत क्या है। आज पाकिस्तान के बच्चों-लोगों को सोचना होगा कि आपकी सेना, आपके हुक्मरान आतंक के साए में पल रहे हैं। आपकी सरकार आतंकवाद को समर्थन दे रही है। उनकी सेना के लिए यह पैसा कमाने का जरिया बन गया है। वे आपके भविष्य को नष्ट कर रहे हैं। आपको अंधेरे में धकेल रहे हैं। पाकिस्तान की अवाम को आगे आना होगा। मोदी ने पाकिस्तान सरकार से कहा कि सुख-चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वर्ना मेरी गोली तो है ही। हमने शांति और समृद्धि का रास्ता चुना है।

मोदी बोले- अब हमारा ध्यान जहाज निर्माण पर केंद्रित है

मोदी ने भुज में कहा कि एक समय था, जब मांडवी जहाज निर्माण के लिए प्रसिद्ध था। आज भी वह शक्ति मांडवी में देखने को मिलती है। अब हम एक आधुनिक जहाज पर सवार होकर विश्व की यात्रा करना चाहते हैं। हम इसका विनिर्माण और निर्यात करना चाहते हैं। भावनगर के अलंग में जहाज तोड़ने का सबसे बड़ा यार्ड है। अब हमने जहाज निर्माण में भी निवेश किया है।

मोदी - हमने दिखाया, आतंकियों के ठिकाने मिट्टी में मिला सकते हैं

पीएम ने कहा कि मैंने देश की सेना को खुली छूट दे दी है। सेना के निशाने पर आतंकियों के हेडक्वॉर्टर थे। हमारी सेना ने अगल-बगल में नुकसान पहुंचाए बिना वापस भी आ गए। यह दिखाता है कि हमारी सेना कितनी सक्षम और अनुशासित है। हमने दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकानों को मिट्टी मे मिला सकते हैं। यह हमारी सेना की ही ताकत थी कि आज भी पाकिस्तान के सारी एयरवेज आईसीयू में पड़ी हैं।

बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत, पॉक्सो एक्ट का केस बंद

नई दिल्ली, लखनऊ ■

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को यौन शोषण मामले में पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने नाबालिग महिला पहलवान द्वारा लगाए गए आरोपों पर दिल्ली पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा समाप्त कर दिया गया है.

'यह सत्य की जीत है और यह जीत आगे भी कायम रहेगी'

इस मामले को लेकर बृजभूषण के बेटे और विधायक प्रतीक भूषण

सिंह ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- 'हमने एक झूठे और मनगढ़ंत मामले में न्यायिक विजय प्राप्त की है. प्रत्येक तथ्यहीन आरोप अब न्याय के कठघरे में धराशायी हो रहा है. यह सत्य की जीत है और यह जीत आगे भी कायम रहेगी.' बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, जिनमें से एक शिकायतकर्ता नाबालिग थी. अब कोर्ट द्वारा पॉक्सो एक्ट से जुड़ा केस बंद कर देने को उनके लिए कानूनी और राजनीतिक रूप से एक बड़ी राहत माना जा रहा है.

दो एफआईआर दर्ज की गई थीं

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कनॉट प्लेस थाने में दो एफआईआर दर्ज की थीं. एक एफआईआर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत, और दूसरी पॉक्सो एक्ट के तहत. पॉक्सो केस में नाबालिग शिकायतकर्ता ने अपने आरोप वापस ले लिए थे, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी.

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेजी, दिल्ली में सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली से सीआरपीएफ के जवान मोती राम जाट को गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को भारत की संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। एनआईए के मुताबिक, 2023 से पाकिस्तान खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी डिटेल शेयर कर रहा था। मोती राम को पीआईओ उसे अलग-अलग तरीकों से पैसे भी मिल रहे थे। मोती राम को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 6 जून तक की कस्टडी में भेजा गया है। एनआईए उससे पूछताछ कर रही है। 24 मई को गुजरात एटीएस ने कच्छ से एक शख्स सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया था। गोहिल बीएसएफ-नौसेना की मौजूदा आर्मी यूनिट्स की फोटो-वीडियो वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट को भेजा करता था। सहदेव कच्छ के लखपत तालुका में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नौकरी कर रहा था। इससे पहले 15 मई को हरियाणा के हिसार से यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हसीना का यूनुस पर आरोप- देश अमेरिका को बेच दिया, सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस पर देश को अमेरिका को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, मेरे पिता अमेरिका की सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर रखी गई मांगों से सहमत नहीं हुए थे। उन्हें उसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। मैंने कभी सत्ता में बने रहने के लिए देश बेचने की कल्पना तक नहीं की। दरअसल पिछले हफ्ते अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी ने बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच मुलाकात भी हुई थी। इसके अलावा अमेरिकी सैनिकों ने कॉक्स बाजार के बीच पर बांग्लादेशी सैनिकों के साथ अभ्यास भी किया था। हसीना ने दावा किया कि यूनुस ने सरकार की बागडोर आतंकियों के हाथ में सौंप दी है। पूर्व पीएम ने अपनी पार्टी के फेसबुक अकाउंट पर किए पोस्ट में कहा कि यूनुस ने आतंकियों की मदद से सत्ता पर कब्जा किया है। हसीना ने दावा किया कि उन्होंने जिन प्रतिबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया था, यूनुस ने उन्हें रिहा कर दिया है। आज जेलें खाली हैं।

हमास इजराइल के साथ सीजफायर के लिए तैयार

गाजा। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की तरफ से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है। रॉयटर्स के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है, जिनमें लंबी सजा काट रहे सैकड़ों कैदी शामिल हैं। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके इसे तोड़ दिया था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया कृषि उद्योग समागम का शुभारंभ, बोले-

ऑपरेशन सिंदूर का लोहा दुनिया ने माना

नरसिंहपुर ■

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर एमपी के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत प्रदेश सरकार के कई मंत्री और स्थानीय विधायक मौजूद रहे। मंच पर पहुंचे अतिथियों का मंत्री प्रहलाद पटेल और मंत्री उदयप्रताप सिंह ने स्वागत किया फिर राष्ट्रीय गान के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुरू हुआ। किसान उद्योग समागम कार्यक्रम में किसान पंजीकरण कार्यालय, किसान सहायता केंद्र से कृषि में उपयोग होने वाले कृषि यंत्रों का मेला भी लगा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि, सरकार पहलगाम आतंकी हमले का जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया है। ऑपरेशन सिंदूर

का लोहा दुनिया ने माना है। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। पूरा देश राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लौह पुरुष की तरह फैसला लिया। धनखड़ ने कहा कि अमेरिका में किसान परिवार की आय सामान्य परिवार से ज्यादा है। देश को आगे बढ़ाने के लिए सांसद, विधायक कृषि आधारित उद्योग गांव को गोद लें। उसके विकास का संकल्प लें। किसान एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा दें। भारत का भविष्य खेतों में लिखा जाएगा।

सीएम बोले- प्रदेशभर में लगाए जाएंगे किसान मेले

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 से आज तक 1 लाख 32 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आयहुई है। आने वाले समय में बिजली बिल से मुक्ति मिल जाएगी। 32 लाख किसानों को सोलर पंप देने की योजना लागू की है। यहां प्रदर्शनी के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र आए हैं। फसल का उत्पादन बढ़ेगा। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग कम है। इसी के मकसद से किसान मेला शुरू हुआ है। 3 दिन तक प्रदर्शनी लगेगी। किसान सब्सिडी के जरिए जो यंत्र चाहेंगे, उन्हें सरकार देगी। नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में नए कृषि आधारित फूड पार्क तैयार किया जा रहा है। 1300 करोड़ से ज्यादा के उद्योग के नए संकल्प लेकर आकार लेंगे।

73 साल बाद सऊदी अरब में शराब बिकेगी, 600 टूरिस्ट स्पॉट पर मिलेंगी बीयर और वाइन

रियाद ■

कट्टर इस्लामी नियमों को लेकर मशहूर सऊदी अरब अब शराब पर बैन हटाने की तैयारी में जुट गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी सरकार देश में 600 टूरिस्ट प्लेस पर शराब की बिक्री शुरू करने की योजना बना रही है। मेट्रो न्यूज के मुताबिक शराब की अनुमति देने वाले नए लाइसेंसिंग कानून 2026 में लागू होंगे। ऐसा 2030 में वर्ल्ड एक्सपो और 2034 में शुरू होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के हाथों में सत्ता आने के बाद से कई बड़े

बदलाव हो चुके हैं। उन्होंने महिलाओं को गाड़ी चलाने की इजाजत दी, सिनेमाघर फिर से खोले और संगीत समारोहों की भी मंजूरी दी। अब शराब को भी सीमित तौर पर मान्यता देने की तैयारी हो रही है। यह शराब सिर्फ कुछ लाइसेंस प्राप्त जगहों जैसे 5-स्टार होटल, लग्जरी रिसॉर्ट और खास विदेशी इलाकों में ही मिलेगी। यहां सिर्फ बीयर, वाइन जैसे हल्के अल्कोहल वाले पेय ही मिलेंगे।

'पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं', यूक्रेन पर सबसे बड़े हमले से भड़के ट्रंप

नई दिल्ली ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पूरी तरह पागल करार दिया है. उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि व्लादिमीर पुतिन पूरे यूक्रेन को जीतने का प्रयास करते हैं, तो यह रूस के पतन का कारण बनेगा. साथ ही उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर रविवार रात किए गए पोस्ट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की भी आलोचना की है.

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ मेरे हमेशा बहुत अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ हो गया है. वह बिल्कुल पागल हो गए हैं!.. वह बेवजह बहुत से लोगों को मार रहे हैं और मैं सिर्फ सैनिकों के बारे में बात नहीं कर रहा हूं." अपने पोस्ट में, ट्रंप ने जेलेंस्की की भी आलोचना करते हुए कहा कि

यूक्रेनी राष्ट्रपति अपने तरीके से बात करके अपने देश पर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं... उनके मुंह से निकली हर बात समस्याएं पैदा करती है, मुझे यह पसंद नहीं है, और बेहतर होगा कि इसे रोक दिया जाए. इस पूरे पोस्ट में यह लिखा है: रूस के व्लादिमीर पुतिन के साथ मेरे हमेशा बहुत अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनके साथ कुछ हो गया है. वह बिल्कुल पागल हो गए हैं! वह अनावश्यक रूप से बहुत से लोगों को मार रहे हैं, और मैं सिर्फ सैनिकों के बारे में बात नहीं कर रहा हूं.

मुंबई में भारी बारिश, अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भरा, हजारों लोग फंसे

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ ■

मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुए वर्ली अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था। इधर, घने बादलों की वजह से विजिबिलिटी लो है। इस वजह से 8 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर भी लोग गाड़ियों की लाइट ऑन कर-के ड्राइव कर रहे हैं।

बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए

हैं। बारिश के बाद कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। हार्बर, सेंट्रल लाइन पर लोकल ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। हजारों लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इधर पुणे में रविवार की तेज बारिश की वजह से नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटने से पुणे के बारामती और इंदापुर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। बारिश के बाद यहां सड़कें पानी में डूब गईं। करीब 200 घरों में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। एनडीआरएफ की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया, 'मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में दिन भर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।' मुंबई के सांताक्रूज के सुपारी टैंक और नारियल वाड़ी में सबसे ज्यादा 25 मिमी, पाली हिल में 24 मिमी, विले पार्ले और अंधेरी फायर स्टेशन ने 15 मिमी और 14 मिमी बारिश दर्ज की।

पाक के प्रधानमंत्री शहबाज तुर्किये राष्ट्रपति से मिले

इस्तांबुल। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार देर रात इस्तांबुल में तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। इस दौरान शहबाज ने भारत के खिलाफ समर्थन देने के लिए तुर्किये का शुक्रिया अदा किया। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत हुई। राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा, तुर्किये और पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ते रहेंगे। दोनों देश एक-दूसरे को ट्रेनिंग, खुफिया जानकारी और टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट देंगे। इससे दोनों का फायदा होगा।

व्यंग्य : पीएम मोदी की सिर्फ नसीहत से क्या होगा असर..?

प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए की बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीजेपी नेताओं को दो टूक शब्दों में नसीहत तो दे दी कि हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं होता. गैरजरूरी टिप्पणी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं. उन्होंने यह हिदायत मंत्री विजय शाह, जगदीश देवड़ा, जांगड़ा आदि के विवादित बयान के सन्दर्भ में दी, लेकिन बिना सख्त एक्शन क्या ऐसे व अन्य नेता भविष्य में कुछ भी बोलने से मानेंगे, यह अहम सवाल है..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

बिना कड़े एक्शन मोदी की शाह, देवड़ा, जांगड़ा आदि नेताओं को नसीहत..!

पीएम मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की अहम बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों के अनुसार, कुछ पार्टी नेताओं के अनर्गल बयानों से नाराज पीएम ने टो-टूक शब्दों में कहा कि सार्वजनिक जीवन में वाणी की मयार्दा बनाए रखना आवश्यक है। हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं होता है। गैरजरूरी टिप्पणियां पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने यह हिदायत हाल ही में विजय शाह, जगदीश देवड़ा, रामचंद्र जांगड़ा जैसे पार्टी नेताओं के पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई विवादित बयानबाजी पर दी। कांग्रेस समेत विपक्ष ने इन भाजपा नेताओं के बयानों को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा और देश से माफी मांगने की मांग की.बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई.इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 25-26 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके पर एनडीए इसका पदार्फाश करेगा और जनता को उन लोगों के बारे में

बताएगा जिन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की थी.सूत्रों का कहना है कि बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और जाति जनगणना के अलावा मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन तथा बिहार चुनाव के मुद्दे पर चर्चा हुई,साथ ही विभिन्न राजग शासित सरकारों की ओर से अपनाए गए सर्वोत्तम कदमों पर भी विचार-विमर्श हुआ.कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपनी प्रमुख योजनाओं पर प्रस्तुति भी दी.बैठक में पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा भी शामिल हुए. इसके अलावा बैठक में राज्यों के 20 मुख्यमंत्री और 18 उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए.

फ्रांस के राष्ट्रपति को पत्नी ने मुंह पकड़ कर धकेला...मैक्रों असहज हुए

हनोई ■

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के बीच हुई झड़प का वीडियो वायरल हो रहा है। मैक्रों 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी ने उनका मुंह पकड़कर धकेल दिया।

एसोसिएटेड प्रेस ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया है। घटना तब की है, जब दोनों विमान से उतरने की तैयारी कर रहे थे। वीडियो में दिखता है कि जैसे ही मैक्रों के प्लेन का दरवाजा खुलता है, ब्रिगिट मैक्रों का मुंह पकड़कर धकेल देती हैं। मैक्रों इस

दौरान कुछ पल के लिए चौंकते हैं, फिर जल्दी से अपने आपको संभालते हुए बाहर के लोगों की तरफ हाथ हिलाते हैं। इसके बाद ब्रिगिट भी पति के साथ बाहर आती हैं। वह मैक्रों के साथ प्लेन की सीढ़ियां से नीचे उतरती हैं। इस दौरान मैक्रों अपना हाथ उनकी तरफ बढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह इसे अनदेखा कर देती हैं। मैक्रों के ऑफिस एलिसी पैलेस ने इस पर टिप्पणी की है। शुरूआत में तो उन्होंने इसे नकारा, लेकिन बाद में इसे लेकर कहा कि यह बस दोनों के बीच हल्की-फुल्की तकरार थी। मैक्रों के एक करीबी सहयोगी ने एएफपी से कहा कि राष्ट्रपति और उनकी पत्नी हल्का-फुल्का मजाक कर रहे थे, लेकिन प्रो-रूसी ट्रोल्स ने इसे घरेलू विवाद के तौर पर पेश किया। कुछ देर बाद हनोई में पत्रकारों से बात करते हुए मैक्रों ने कहा कि ये कोई झगड़ा नहीं था, बल्कि हम आपस में मजाक कर रहे थे, जैसा अक्सर करते हैं। यह घटना मैक्रों के दक्षिण-पूर्व एशिया दौरे की शुरूआत में हुई, जिसमें वह वियतनाम के बाद इंडोनेशिया और फिर सिंगापुर जाएंगे।

अवैध कॉलोनियों की रजिस्ट्री शून्य होगी, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का फैसला पलटा, कहा था वैध करेंगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में अवैध कॉलोनियों में की गई प्लॉटों की रजिस्ट्री को प्रशासन शून्य करवाने वाला है। कोर्ट के माध्यम से यह प्रक्रिया की जाएगी। आज कलेक्टर आशीष सिंह ने इसके लिए निर्देश दिए। लगभग एक साल पहले सरकार ने यह कहा था कि इंदौर में अब अवैध कॉलोनियां वैध नहीं हो सकेंगी। अवैध कॉलोनी काटने वाले कॉलोनाइजर पर रासुका की कार्रवाही होगी और अगर किसी नई जगह पर अवैध कॉलोनी बनती है तो वहां के अधिकारी भी इसके जवाबदार होंगे। सरकार यह फैसला पूरे मध्य प्रदेश में लागू करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य है अवैध कॉलोनियों को रोकना ताकि जनता को लूटा न जा सके। इसके लगभग आठ महीने बाद अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई की और 11 अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ एफआईआर करवाई गई। अब इन कॉलोनियों की रजिस्ट्री भी शून्य करवाई जाएगी।

शिवराज ने कहा था वैध होंगी कॉलोनियों

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार अवैध कॉलोनियों को लेकर जो नया कानून ला रही है वह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के फैसले को पलट देगा। शिवराज सरकार ने 31 दिसंबर 2022 तक बनी सभी अवैध कॉलोनियों को वैध करने की घोषणा की थी, लेकिन यह आदेश अमल में नहीं आ पाया।

राशि भी वापस करेंगे कॉलोनाइजर

कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को समय-सीमा (टीएल) की बैठक में इससे जुड़े निर्णय लिए। इसके तहत अब कॉलोनाइजरों को प्लॉट धारकों को राशि भी वापस करना होगी। इसके लिए कॉलोनी सेल को प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध कॉलोनियां शहर के लिए घातक

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इंदौर में अभियान चलाकर अवैध कॉलोनाइजरों के विरुद्ध अनेक तरह की कार्रवाई की जा रही है। बड़ी संख्या में एफआईआर भी दर्ज कराई है। अब इंदौर में अवैध कॉलोनियों में बेचे गए प्लॉटों की रजिस्ट्री को शून्य करने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। कॉलोनाइजरों को प्लॉट धारकों को राशि भी वापस करना होगी। अवैध कॉलोनियों से अनियोजित विकास होता है। अवैध कॉलोनियां शहर के लिए घातक है। कॉलोनी सेल को निर्देशित किया है कि वे जिन कॉलोनियों के संबंध में एफआईआर दर्ज कराई गई है, प्रकरण कोर्ट में चल रहे हैं, कॉलोनी अवैध घोषित की गई है, उन मामलों में रजिस्ट्री शून्य करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। इस संबंध में कोर्ट में आवेदन लगाकर प्रक्रिया प्रारंभ करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरपी अहिरवार, अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य, राजेंद्र रघुवंशी, निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्याज के भाव 20 रु. किलो दिलाए जाने के लिए देपालपुर तहसील कार्यालय पर 27 प्रदर्शन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्याज के भाव 20 रु. किलो दिलाए जाने की मांग को लेकर 27 मई को दौपहर 12 बजे संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर देपालपुर तहसील कार्यालय पर किसानों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल, रामस्वरूप मंत्री ने बताया कि इन दिनों मंडी में किसान का प्याज 2 से 5 रु. किलो तक बिक रहा है इससे फसल की लागत भी नहीं निकल रही है। अपनी उपज मिट्टी के मोल बिकने से पूरे अंचल के किसानों में रोष है। प्याज उत्पादन में प्रति कुंतल डेढ़ से ?2000 लागत आती है। जबकि वर्तमान में प्याज?200 क्विंटल में बिक रहा है जिसके चलते किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने कहा है कि पूर्व में भी जब प्याज के भाव कम हुए थे तो मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह सरकार ने भावांतर की घोषणा की थी जिससे किसानों को उम्मीद बनी थी कि मध्य प्रदेश की सरकार किसानों का नुकसान नहीं होने देगी।

रतलाम जिले के एमडी ड्रग्स तस्कर आरोपी गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निदेर्शों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते भंडारी ब्रिज के नीचे एमआर 4 रोड इन्दौर में दो(पुरुष व महिला) संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, , जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). अमजद खान उम्र 46 वर्ष निवासी जावरा,रतलाम, एवं महिला आरोपी (2). अंजुम बी निवासी निवासी- जावरा, रतलाम का होना बताया। आरोपी अमजद ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है एमडी ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में सप्लाई करने का था इरादा। आरोपी के कब्जे से 22 ग्राम एमडी ड्रग्स जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 101/25 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

अंतराष्ट्रीय अवॉर्डी सुनील ठाकुर को राजपूत समाज द्वारा सम्मानित किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इन्दौरः महाराणा प्रताप जी की 484 जयंती के उपलक्ष्य पर समाजसेवी स्व श्रीमती साधना सिंह जी की पुण्य स्मृति में सर्व राजपूत समाज धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा प्रदेश के राजपूत प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं व समाज सेवक व सेविका सम्मान समारोह का विशाल आयोजन आनंद मोहन माथुर सभागृह स्थित हाल में आयोजित किया गया।जिसमें प्रदेश भर के प्रतिभाशाली राजपूत युवाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। तथा राजपूत समाज के 30 संगठनों का सम्मान किया गया। नेपाल में अंतराष्ट्रीय अवार्ड मिलने पर इंदौर के सुनील ठाकुर जो कि युवा समाजसेवी के रूप में देश भर में जाने जाते हे,तथा तैराकी के राष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हे। ओर वर्तमान में न्यू दिगम्बर पब्लिक स्कूल में तैराकी का प्रशिक्षण देते हे। इस अद्वितीय उपलब्धि पर विशेष अतिथि सुरेश जी भदौरिया,मुख्य अतिथि मोहन सेंगर जी द्वारा सम्मानित किया।

नए इंदौर के हिसाब से लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का विस्तार, नई बिल्डिंग, प्लेटफार्म हो रहे तैयार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बीते 30 सालों में इंदौर की बसाहट फैली है। नगर निगम सीमा भी बढ़ी, लेकिन शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन पर ही ज्यादातर ट्रेनें रुकती है। इस स्टेशन के दबाव को कम करने के लिए अब दूसरे रेलवे स्टेशनों का भी विस्तार किया जा रहा है। नई बसाहट के हिसाब से लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन शहवासियों की पहुंच में है, लेकिन उसकी तरफ रेलव ने कभी ध्यान नहीं दिया,लेकिन अब स्टेशन के मुख्य बिल्डिंग, प्लेटफार्म व दूसरी तरफ के गेट का निर्माण किया जा रहा है। इसके बनने के बाद यहां ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ेंगे।

सिंहस्थ से पहले तैयार हो जाएगा स्टेशन

लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन का 60 प्रतिशत काम हो चुका है। डेढ़ साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन के री डेवल्पमेंट का काम सालभर पहले शुरू हुआ है। दो नए प्लेटफार्म और नई स्टेशन बिल्डिंग का काम जारी है। तय समयसीमा में निर्माण पूरा हो जाएगा। इसके बाद यहां ट्रेनों का ठहराव भी बढ़ जाएगा।

स्टेशन की एंट्री की सड़क संकरी

रेलवे स्टेशन का विस्तार तो रेल विभाग कर रहा है, लेकिन स्टेशन तक जाने की सड़क का चौड़ीकरण नगर निगम को करना है। भागीरथपुरा से परदेशीपुरा तक आने वाली सड़क 40 फीट चौड़ी है। इसके अलावा स्टेशन के आसपास बस्ती के अवैध निर्माण से एमआर-4 सड़क भी नहीं बन पा रही है। स्टेशन बनने तक यदि रोड नेटवर्क तैयार नहीं हो पाया तो फिर यात्रियों को यहां आने में परेशानी होगी। ट्रेनों के ठहराव बढ़ने से मार्ग पर ट्रैफिक का भी इजाफा होगा। फिलहाल यहां प्रतिदिन चलने वाली 9 रेलगाड़ियां दो मिनट का ठहराव लेती है।

इंदौर में रोजगार मेला 2 को

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य निदेर्शानुसार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के लिये इंदौर जिले में लगातार रोजगार मेले आयोजित किये जा रहे है। इसी सिलसिले में आगामी 02 जून 2025, सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नंदानगर, इंदौर में रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में 500 युवाओं को नौकरी मिलेगी। यह संयुक्त रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था एवं जिला उद्योग केन्द्र, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि रोजगार मेले में बालाजी वेपर्स, रूपरंग स्टोर्स, श्याम टाटा मोटर्स, शैफाली बिजनेस, मेडपप्स, बी-एबल जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ लगभग 500 रिक्त पदों के लिए प्रारंभिक चयन करेंगी। कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा आवेदकों का साक्षात्कार लेकर पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मेले में 18 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे युवा भाग ले सकते हैं, जिन्होंने हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा या तकनीकी योग्यता (जैसे आईटीआई) प्राप्त की हो। आवेदकों को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु ऋण प्रक्रिया की जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, बायोडेटा की प्रतियाँ, आधार कार्ड एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियाँ साथ लेकर आएं।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ महावीर नगर स्थानक त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

श्री वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ (पूर्वी क्षेत्र) महावीर नगर के त्रि वार्षिक चुनाव संपन्न हुए जिसमें अशोक डांगी अध्यक्ष , अजीत चौधरी मंत्री, एवं वीरेंद्र सिंह मारू कोषाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किए गए.उपाध्यक्ष- अरविंद बापना एवं विनोद जैन सीए.सह मंत्री- हेमंत चिंगावत.संगठन मंत्री- विक्रम श्रीमाल शाह.कोषाध्यक्ष- गिरीश बापना, संयुक्त सचिव- धर्मचंद औसतवाल, बहादुर सिंह धाकड़ एवं विकास भंडारी चुने गए.प्रचार सचिव - वीरेंद्र सुराणा एवं रितेश बापना चुने गए.यह कार्यकारिणी सर्वसम्मति से नियुक्त की गई.

अशोक डांगी
अध्यक्ष

अजीत चौधरी
मंत्री

इंदौर के समीप ट्रक की तीन वाहनों से टक्कर, छह लोग घायल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के समीप निमार्णाधीन इंदौर-खड़वा रोड पर एक ट्रक ने तीन वाहनों को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से छह लोग घायल हुए है। उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल में लाया गया है। घायलों में दो की हालत ज्यादा गंभीर है। यह हादसा इंदौर में चोखी-ढाणी के समीप हुआ।

तेज स्पीड से चल रहे ट्रक ने पहले एक वाहन को टक्कर मारी। इसके बाद अन्य दो वाहनों से भी ट्रक टकरा गया। टक्कर से पिकअप वाहन और बस में सवार छह लोग घायल हो। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग गया। राहगिरों ने वाहनों में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की। इस बीच पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची सिमरोल थाने की पुलिस ने घायलों को एमवाय अस्पताल पहुंचाया। सबसे पहले ट्रक की टक्कर पिकअप वाहन से हुई। फिर ट्रक बस में जा घुसा। ट्रक के पीछे आ रहा वाहन भी ट्रक में पीछे से टकरा गया। पिकअप वाहन उलटी दिशा से आ रहा था। इस कारण उसकी टक्कर ट्रक से हुई। हादसे में दो लोगों को मामूली चोटें आई है। उन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद सिमरोल नाके और तेजाजी नगर वाले हिस्से में ट्रैफिक जाम हो गया। हादसे का शिकार वाहनों को मार्ग से हटाने के बाद ट्रैफिक बहाल हो पाया।

सिलावट ने मांगलिया में किया प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र-स्टाफ क्वार्टर का लोकार्पण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर जिले के ग्राम पंचायत मांगलिया में आज लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृत प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र एवं स्टाफ क्वार्टर का लोकार्पण किया। यह 6 बिस्तरीय प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र है और यहां 24 घंटे प्रसूति सुविधा एवं इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध रहेगी।

एक करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित इस प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में टीकाकरण व्यवस्था के साथ ही गर्भवती महिलाओं की प्रतिदिन जाँच सुविधा एवं निःशुल्क दवाई की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसमें आशा कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में एमबीबीएस डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जायेगा। इस अवसर पर मंत्री सिलावट ने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है, क्योंकि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी माँग आज पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र के पास की खुली जमीन पर एक सुन्दर गार्डन बनाया जायेगा। साथ ही इसे मुख्य मार्ग से भी जोड़ा जायेगा, ताकि यहां आने वाले मरीजों और गर्भवती महिलाओं को किसी तरह की असुविधा न हो। इस क्षेत्र को विकसित करने के हर संभव प्रयास किये जाएंगे। सिलावट ने आगे कहा कि प्रदेश और देश के सर्वांगीण विकास के लिये केन्द्र और राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं की भी जानकारी दी और उसके होने वाले लाभ के बारे में बताया।

राष्ट्र प्रथम !!!

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

प्रिय भारतवासी दोस्तों, हाल ही मैं हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का एक बहुत ही घिनौना रूप पहलगाम में देखा था। जिसमें आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को अपना निशाना बनाया था। हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में इसका मुंहतोड़ जवाब दिया था। पूरी स्थिति एक अघोषित युद्ध के समान थी जिसमें देशवासियों के साथ राजनैतिक इच्छाशक्ति, सैन्य बल और हमारे तमाम सैन्य संसाधन लगे हुए थे। जिसके कारण हम भारत विरोधी लोगों पर बढ़त बना पाये थे।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

यकीन मानियेगा दोस्तों यह हमारे विरोधियों द्वारा देश के ख़िलाफ़ छेड़ा गया एक छद्म अघोषित युद्ध है। जिससे केवल सेनाओं को नहीं बल्कि पूरे देश को निपटना है। अभी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं है लेकिन यह भी सही है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने पहले चरण की कार्रवाई को सफलता और साहस के साथ अंजाम देते हुए बढ़त बनाई है और तात्कालिक शांति स्थापित की है। दोस्तों, यह निर्णायक क्षण है याने यह एक ऐसा समय है जब हम सबको मिलकर कंट्री फर्स्ट के आधार पर चलना होगा। दूसरे शब्दों में कहूँ तो हमें व्यक्तिगत, व्यावसायिक या राजनैतिक हितों को छोड़कर राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और एकता को प्राथमिकता देना होगी। इसके लिए आप निम्न बातों को अपने जीवन का हिस्सा बना लें-

1) **राष्ट्र के साथ अडिग खड़े रहें?**- यह समय आपसी मतभेद भूलकर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने का है। सेना, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को पूरा समर्थन दें। आंतरिक आलोचना या दोषारोपण इस समय राष्ट्र को कमजोर करता है।

2) **प्रचार युद्ध से सावधान रहें**- पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी ISI अब एक सुनियोजित प्रोपेगेंडा युद्ध की शुरुआत करेंगे। सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर भावनात्मक तस्वीरें, झूठे वीडियो और नकली डाक्युमेंट्री की बाढ़ आ सकती है। कृपया अप्रमाणित सामग्री को न देखें, न साझा करें और न ही उस पर विश्वास करें। यह भी संभव है कि इस कार्य में उनकी मदद कुछ हमारे अपने लगने वाले लोग भी करते दिखें। हमें इन लोगों को भी नकारना होगा।

3) **सूचनात्मक अनुशासन बनाए रखें**- केवल रक्षा मंत्रालय, PIB और विश्वसनीय राष्ट्रीय मीडिया से ही अपडेट लें। अफवाहें फैलाना या अनुमान लगाना; सूचना व्यवस्था को कमजोर करता है। राष्ट्रहित में सोशल मीडिया पर अनुशासन अपनाएँ।

4) **राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर नज़र रखें**- अपने आसपास, कार्यस्थल या सोशल सर्कल में ऐसे लोगों की पहचान करें, जो दुश्मन के पक्ष में बोलते हैं या खुलेआम भारत विरोधी बातें करते हैं। ऐसे व्यवहार को शांति से नोट करें और उसे जल्दी से जल्दी आधिकारिक रिपोर्टिंग चैनलों को उपलब्ध करवायें।

5) **आंतरिक अशांति से सावधान रहें**- दुश्मन दंगे, सांप्रदायिक तनाव या अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर सकता है। इसलिए धार्मिक विवादों से बचें, बहस से दूर रहें और एकता का परिचय दें। किसी भी स्थानीय अशांति की स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करें।

6) **घबराएँ नहीं ङ्क प्रशासन और प्रणाली पर विश्वास रखें**- कोई भी अफवाह जैसे कि भोजन, दवाओं या नकदी की कमी आपको घबराहट में न डाले। हमारा राष्ट्र मजबूत आपूर्ति और बैंकिंग व्यवस्था से लैस है। घबराकर सामान या नकद जमा करना स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

7) **मानसिक संबल बनाए रखें?** हर भारतीय नागरिक मनोवैज्ञानिक युद्ध में एक सिपाही है। डर, अफवाह या घबराहट से खुद को दूर रखें। देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की नहीं, हमारे धैर्य और आत्मबल की भी परीक्षा है।

8) **साइबर सुरक्षा का ध्यान रखें?** फर्जी लिंक, वेबसाइट और एक्सक्लूसिव वीडियो का झांसा देने वाले संदेशों से सावधान रहें। ये शत्रु के साइबर हमलों का हिस्सा हो सकते हैं। कभी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

9) **किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की रिपोर्ट करें?** कोई अज्ञात वस्तु, संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि देखें तो तत्काल नजदीकी पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें। आपकी सतर्कता किसी बड़े खतरे को रोक सकती है।

याद रखियेगा, एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम राष्ट्र के साथ एकजुट होकर खड़े हो। इसलिए अंत में, इतना ही कहूँगा दोस्तों कि इस समय हमारा हर नागरिक एक प्रहरी है। हम सब मिलकर न केवल इस संकट से उभर सकते हैं, बल्कि एक मजबूत, एकजुट और सजग भारत का निर्माण कर सकते हैं। जय हिंद।

वंदे मातरम।

भारत माता की जय!

नेता पुत्र पर लगे आरोप निकले फर्जी, न्यायालय ने की एफआईआर खारिज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सरपंच सोहराब पटेल के पुत्र पर मारपीट और धमकी देने के आरोप झूठे निकले और न्यायालय ने एमजी रोड़ पुलिस की एफआईआर को खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि 10 दिसम्बर 2024 को एमजी रोड़ थाना पर गीता नगर निवासी आदिल पिता रियाजुद्दीन ने रिपोर्ट लिखवाई थी कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोहराब पटेल के बेटे सोहेल पटेल ने जिला न्यायालय के गेट के पास रोका और पुराने केस में राजीनामा करने की बात पर मारपीट कर धमकाया। जिस पर पुलिस ने जल्दबाजी में एफआईआर दर्ज कर ली। बाद में जाँच की तो पूरा मामला झूठा निकला। पुलिस की जॉच रिपोर्ट पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शशांक सिंह ने एफआईआर को खारिज कर दिया। बताते हैं राजनीतिक द्वेष के चलते सोहेल पटेल पर झूठी शिकायत कर पुलिस को भी गुमराह किया गया। इस मामले में सरपंच सोहराब पटेल ने कहा इस तरह के फैसलों से न्यायालय के प्रति जनता का विश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा सच परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

झूठा केस लगाने वाले को सजा

अगर आपके खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट यानि ऋक्रूदर्ज की गई है और आपको लगता है कि यह झूठी है, तो आप उच्च न्यायालय में ऋक्रूरद्द करने की याचिका दायर कर सकते हैं। कोर्ट यह जांच करेगा कि एफआईआर के आधार पर कोई अपराध बनता है या नहीं, और यदि नहीं बनता तो वह इसे रद्द कर सकता है।

19 जून को सिकलसेल एनीमिया दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में आज इंदौर में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कायक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्दौर, आलीराजपुर, बुरहानपुर, धार, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी एवं झाबुआ जिलों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में आर.सी.एच. सेवाओं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, शहरी स्वास्थ्य कार्यकम, संजीवनी क्लीनिक की क्रियाशीलता, असंचारी रोग नियंत्रण, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम तथा सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत बेहतर एवं निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों से उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली गई।

समझदार लोगों का कर्तव्य है कि वे धर्म को बल दें।

श्री श्री आनन्दमूर्ति
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

मनुष्य का वास्तविक मित्र कौन है? एक बार एक सभा में कुछ जिज्ञासुओं ने प्रश्न किया। धर्म ही एकमात्र सुहृद, यानी एक प्रकार का मित्र है जो आपकी मृत्यु के बाद भी आपके साथ बना रहता है। संस्कृत में मित्र के लिए कई प्रकार के शब्द हैं। जो व्यक्ति आपके साथ जुदाई को सहन नहीं कर सकता, उसे बंधु कहा जाता है। जब कोई व्यक्ति मर जाता है, तो उसके माता-पिता, भाई-बहन क्या करते हैं? वे जोर-जोर से रोते हैं, लेकिन दो-तीन दिन बाद वे फिर सामान्य हो जाते हैं। वे अपने दैनिक कार्यों में फिर से व्यस्त हो जाते हैं। कुछ दिनों या महीनों बाद वे उस व्यक्ति को भूल भी जाते हैं। इसलिए आप नहीं कह सकते कि आपके रिश्तेदार वास्तव में आपके बंधु हैं।

इस दृष्टि से कोई भी आपका बंधु या सच्चा मित्र नहीं है। लेकिन जगतबंधु ही एकमात्र सच्चा बंधु है। परमहंस पुरुष यानी परम पुरुष ही एकमात्र सच्चा बंधु है। उसने आपको अतीत में भी प्रेम किया था, और भविष्य में भी करेगा। उसका नाम ही जगतबंधु है। मित्र के लिए एक और शब्द है सुहृद। सुहृद वे होते हैं जिनसे आपका कभी कोई मतभेद नहीं होता। सांसारिक जीवन में पति-पत्नी, माता-पिता सभी से कभी न कभी मतभेद होता ही है। लेकिन परम पुरुष के साथ कभी कोई मतभेद नहीं होता। वह जो कुछ आप करते हैं, उसमें सहमति प्रदान करता है। वह ऐसा क्यों करता है? क्योंकि वह आपका सच्चा मित्र है। भौतिक क्षेत्र में वह कुछ नहीं करता, लेकिन मानसिक क्षेत्र में वह आपको मार्गदर्शन देता है। भौतिक क्षेत्र में वह सीधे कुछ नहीं करता, इसलिए वह अच्छे और बुरे दोनों व्यक्तियों के लिए सुहृद है। वह हमेशा सुहृद रहता है। वही एकमात्र सुहृद है जो आपकी मृत्यु के बाद भी आपके साथ बना रहता है। जब आप मरते हैं, तब आपके मित्र आपको श्मशान तक ले जाते हैं। जब शरीर जल जाता है, तो वह राख में बदल जाता है। आपके मित्र राख पर थोड़ा पानी छिड़कते हैं और फिर घर लौट जाते हैं। जब तक वे श्मशान में रहते हैं, तब तक वे आपको याद करते हैं। उसके बाद वे आपको भूलने लगते हैं। लेकिन धर्म आपके साथ मृत्यु के बाद भी बना रहता है, और आपने इस संसार में जो कुछ धर्म के लिए किया, वह कभी भुलाया नहीं जाता। इसलिए इस संसार में आपको धर्म के हाथों को मजबूत करना है, और धर्म इस संसार में आपके हाथों को मजबूत करेगा। यही बुद्धिजीवियों और समझदार लोगों का कर्तव्य है कि वे धर्म को बल दें। जब दो व्यक्तियों के कर्तव्य का स्वभाव एक जैसा हो, तब वे मित्रम्‌ कहलाते हैं। जैसे दो डॉक्टर, दो वकील, दो व्यापारी, मित्रम्‌ कहे जाते हैं क्योंकि उनका कार्य समान होता है। यहां तक कि दो चोर भी मित्रम्‌ कहे जाते हैं। संस्कृत में मित्र शब्द जब पुल्लिंग में हो तो उसका अर्थ होता है सूर्य। और जब यह नपुंसकलिंग में हो, तो इसका अर्थ होता है सहयोगी या सहकर्मी। जब दो शारीरिक शरीर होते हैं, लेकिन मानसिक शरीर एक जैसा होता है क्योंकि प्रेम बहुत गहरा होता है, तो वे सखा कहलाते हैं। इसलिए परम पुरुष के अतिरिक्त कोई और सखा नहीं हो सकता। कृष्ण अर्जुन के सखा थे। इस प्रकार इस संसार में इन चारों शब्दों में से केवल मित्रम्‌ ही प्राप्त हो सकता है। बंधु, सुहृद और सखा केवल परम पुरुष ही हो सकते हैं। आप उसके लिए ही बंधु, सुहृद और सखा जैसे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। वह आपका सब कुछ है। आप उसके बिना नहीं रह सकते। आपका परम पुरुष से संबंध वैसा है जैसा मछली का पानी से होता है। अपनी साधना के द्वारा ध्रुवस्मृति (स्थायी स्मृति) विकसित करने का प्रयास करें और परम शांति में अनंतकाल के लिए एक हो जाएं।

प्रस्तुति : दिव्यचेतनानंद अवधूत

मारे- मारे फिर रहे विजय शाह: अब कुर्सी बचाने का चक्रव्यूह रचा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के मंत्रीगणों की जुबान किस तरह से लगातार कड़वी होती जा रही है। यह बात न्यायालय तक पहुंच चुकी है। इस बार सेना पर लगातार जुबानी जंग के कारण पूरे देश को नाराजगी है। माफी नामे के पत्र में उन्होंने लिखा कि जघन्य हत्याकांड से मन दुखी और विचलित था। मेरा राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम और भारतीय सेना के प्रति आदर और सम्मान हमेशा रहा है। मेरे द्वारा कहे गए शब्दों से समुदाय धर्म और देशवासियों को दुख पहुंचा है, यह मेरी भाषाई भूल थी।

मेरा आशय किसी भी धर्म जाति या समुदाय को ठेस पहुंचाना या आहत करना नहीं था। भूल वश अपने द्वारा कहे गए शब्दों के लिए मैं पूरी तरह भारतीय सेना, बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और देशवासियों से पूरी तरह क्षमा प्रार्थी हूं और पुन हाथ जोडकर आप सबसे माफी मांगता हूं।

विजय शाह के माफी का यह तीसरा वीडियो

बयान पर विवाद होने के बाद पहली बार सफाई देते हुए मंत्री शाह ने कहा था कि मेरे बयान को गलत संदर्भ में न लें। इसके बाद भी मामला तूल पकड़ता गया तो उन्होंने दूसरा वीडियो जारी किया और माफी मांगी। इस माफी के साथ ही उन्होंने अपने परिवार की सेनाओं से जुड़ी पृष्ठभूमि के बारे में बताया। इसके बाद हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए एफआईआर के आदेश दे दिए। मामले में शाह सुप्रीम कोर्ट गए वहां से भी राहत नहीं मिली। बल्कि एसआईटी गठित

कर जांच के आदेश जारी हो गए। अब शाह ने माफी मांगते हुए तीसरा वीडियो जारी किया है। सेना पर की गई विवादित टिप्पणी के कारण पूरे देश में विरोध की लहर के कारण मंत्री विजय शाह को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने तीसरी बार मामले में माफी मांगी है। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अब उन्हें लगने लगा है कि कभी भी उनका मंत्री पद जा सकता है। हो सकता है कि पार्टी उन्हें कुछ समय के लिए पार्टी से भी निष्कासित कर दे? मंत्री विजय शाह ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि किसी को ठेस पहुंचाना मेरा उद्देश्य नहीं था। वीडियो में विजय शाह ने ये कहा कि जय हिंद, पिछले दिनों पहलगाम में मंत्री विजय शाह ने आखिर क्या कहा था.. मंत्री विजय शाह 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था कि उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा कि अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा, कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है, तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआरटी कर रही जांच

विजय शाह के इस बयान का वीडियो सामने आने के बाद हाईकोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। विजय शाह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे तो वहां भी उनकी माफी नामंजूर कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तीन सदस्यीय एसआरटी मामले की जांच कर रही है।

मोहसिन पर पांचवा केस दर्ज, लड़की को 15 दिन तक बंधक बनाकर भाई और दोस्तों से गैंगरेप करवाया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर की ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के संचालक मोहसिन सलीम खान पर गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत एक और मामला दर्ज किया गया है। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की शिकायत पर मोहसिन के खिलाफ दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, अप्राकृतिक कृत्य, जान से मारने की धमकी, मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और पॉक्सो एक्ट जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इस मामले में मोहसिन के साथ उसके भाई इमरान और उसके दोस्त फैजान को भी सहआरोपी बनाया गया है। आरोप है कि पीड़िता को 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया।

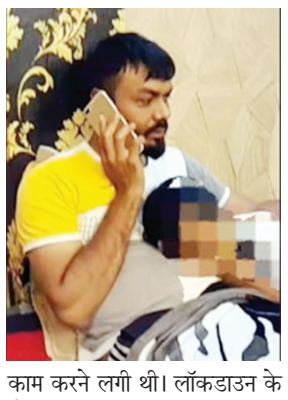

प्रजापतनगर की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि साल 2020 में एक परिचित महिला के माध्यम से वह मोहसिन की एकेडमी में

काम करने लगी थी। लॉकडाउन के दौरान मोहसिन ने उसे जबरन अपने फ्लैट में रोक लिया, बाहर जाने से मना किया और उसका मोबाइल भी छीन लिया। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान उसके भाई इमरान और उसके दोस्त फैजान के साथ तीनों ने कई बार गैंगरेप किया। पीड़िता ने बताया कि मोहसिन फ्लैट में तंत्र क्रिया करता था, युवतियों पर नींबू-मिर्ची उतारता और उर्दू में कुछ मंत्र बोलता था। वह युवतियों को गलत तरीके से छूता था, हिंसा करता था और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। उसने पीड़िता को गर्म प्रेस से जलाया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि मोहसिन सिर्फ हिंदू लड़कियों को नौकरी पर रखता था और उनका शोषण करता था। वह युवतियों से कहता था कि कम उम्र की लड़कियां लाओ, बदले में कमीशन मिलेगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, मोहसिन उसे इस्लाम कबूलने के लिए मजबूर करता था और यहां तक कि उसे पांच लाख रुपये में खरीदने की कोशिश भी की। उसने आरोप लगाया कि मोहसिन ने लॉकडाउन के दौरान फ्रिज में मांस रखा था, खरगोश काटा और जबरदस्ती मांस खिलाया। अब पीड़िता की शादी हो चुकी है और उसने पति को पूरी घटना बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

> **पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे**
>
> एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव के मुताबिक कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है। मोहसिन खान के खिलाफ बढ़ती शिकायतों को देखते हुए उसके पुराने रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई है जो जल्द ही पूरी रिपोर्ट देगी।

दो ओर महिलाओं ने लगाए आरोप

इसी बीच एमआईजी थाना क्षेत्र की एक और महिला सामने आई है, जिसने मोहसिन पर यौन शोषण और लाखों रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि शूटिंग एकेडमी खुलवाने और रायफल खरीदने के नाम पर मोहसिन ने उससे मोटी रकम ऐंठी। इससे पहले चंडीगढ़ निवासी एक महिला भी मोहसिन पर दो लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगा चुकी है।

कुलगुरु की कार रोकने पर तीन के खिलाफ मामला दर्ज, कांग्रेस के पूर्व नेता और दो कर्मचारी के नाम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में बीते दिनों हुए प्रदर्शन के दौरान कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई की कार रोके जाने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें एक पूर्व कांग्रेस नेता अजय चौरड़िया भी शामिल हैं। पुलिस ने विश्वविद्यालय के कर्मचारी दीपक सोलंकी और सोहेल परवेज को भी आरोपी बनाया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आनंद यादव ने बताया कि 17 मई को विश्वविद्यालय स्टाफ की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान कुलगुरु की आधिकारिक कार को जबरन रोका गया और उन्हें वाहन से उतरने के लिए मजबूर किया गया। कुलगुरु की शिकायत पर तीनों के खिलाफ भंवरकुआं थाना पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धाराओं 532/25, 221, 126, 296 और 351 के तहत मामला दर्ज किया है।

कुलगुरु बोले आंदोलन के पीछे बाहरी तत्व

कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई ने आरोप लगाया कि इस आंदोलन के पीछे बाहरी लोगों का हाथ है। उन्होंने कहा कि इन बाहरी तत्वों द्वारा प्रदर्शनकारियों को आर्थिक मदद दी जा रही है, भोजन, चाय-नाश्ते की व्यवस्था की जा रही है और टेंट का खर्च भी वही उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इनमें से एक व्यक्ति नियमित रूप से आंदोलन में बैठता है, जबकि उसका विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं है। डॉ. सिंघई ने कहा कि प्रशासन ने कर्मचारियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं मिले। उन्होंने भरोसा दिलाया

कि कर्मचारियों की जो भी वाजिब मांगें होंगी, उन्हें पूरा किया जाएगा।

कर्मचारी 2 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्ववित्तपोषित संस्थानों के गैर-शिक्षकीय कर्मचारी संघ ने अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर 2 मई से तक्षशिला परिसर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की हुई है। 17 मई को जब कुलगुरु डॉ. सिंघई एक कार्यक्रम से लौट रहे थे, तब हड़ताली कर्मचारियों ने उनकी कार को घेर लिया और नारेबाजी करने लगे। कुछ कर्मचारी कार के सामने बैठ गए और विरोध जारी रखा।

पैदल निकले कुलगुरु, बंद किया गया मुख्य गेट

जब काफी देर तक बातचीत नहीं हुई, तो कुलगुरु कार से उतरकर पैदल ही कैंपस के बाहर जाने लगे। इस दौरान एक व्यक्ति ने मुख्य गेट बंद कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन कुलगुरु ने खुद गेट खोला और परिसर से बाहर निकल गए। बाहर निकलते समय भी प्रदर्शनकारियों ने उनका पीछा कर मुख्य गेट तक नारेबाजी जारी रखी। इस घटना की आलोचना अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इकाई ने भी की है।

जिसकी हत्या की सजा काट रहे थे पांच लोग, वो निकली जिंदा, कोर्ट ने पुलिस पर सवाल उठाकर सभी को किया रिहा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के थांदला गांव में एक महिला डेढ़ साल बाद गांव लौटी तो हैरान रह गई। उसे पता चला कि उनकी हत्या के आरोप में पांच लोग जेल में हैं, जबकि महिला मजदूरी के लिए घर से बाहर थी। मामला सामने आने के बाद आरोपियों के वकील ने कोर्ट के सामने पक्ष रखा। इसके बाद आरोपी जेल से रिहा हुए। कोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं।

बता दें कि थांदला की नदी में वर्ष 2024 को एक महिला का शव नदी में मिला था। शव क्षत-विक्षत था। चेहरा भी पहचान में नहीं आ रहा था। मृत महिला की पहचान हुलिए और पहनावे के आधार पर ललिता के रिश्तेदार व

परिजनों की। इसके बाद शव का उन्होंने अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने भी शिनाख्त बगैर डीएनए टेस्ट के कर ली। बाद में पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ललिता की दोस्ती शाहरुख नामक युवक के साथ थी। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। इसके बाद यह कहानी बनाई कि पांच सौ रुपये के विवाद में शाहरुख ने अपने साथ इमरान, एजाज, सोनू और अजीम के साथ लाठी-डंडों से पीट कर ललिता को मार डाला। पुलिस ने पांचों को गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने इस केस की चार्जशीट भी तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत कर दी थी। डेढ़ साल बाद मार्च माह में युवती थाने पहुंची और कहा कि वह जिंदा है। मजदूरी के लिए डेढ़ साल से बाहर थी। पुलिस ने महिला की डीएनए टेस्ट कराया और तय हुआ कि नदी में मिला शव ललिता का नहीं था। इसके बाद कोर्ट में मामला पहुंचा। वकील मनीष यादव ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की। कोर्ट को बताया गया कि जिसकी हत्या के आरोप में पांच आरोपी जेल में बंद है, वह जीवित है। इसके बाद आरोपियों की रिहाई को लेकर फैसला सुनाया गया।

उज्जैन बाबा महाकाल की सवारी की पहली सवारी 14 जुलाई को

उज्जैन ■ ग्लोबल हेराल्ड

सावन-भादौ महीने में उज्जैन महाकालेश्वर में बाबा महाकाल की सवारी की को लेकर महाकाल मंदिर समिति की ओर से शेड्यूल जारी कर दिया गया है। अगर आप भी महाकाल की सवारी के लिए उत्सुक हैं। तो आपको बता दें कि इस साल 2025 में 11 जुलाई को सावन का महीना शुरू हो रहा है। सावन के इस महीने में महाकाल की पहली सवारी 14 जुलाई को और आखिरी या शाही सवारी 18 अगस्त को निकाली जाएगी।

बता दें कि पिछले साल 2024 में सावन-भादौ (रंद्दंल्ल ईंङ्क्षि 2024) महीने में कुल 7 सवारियां निकाली गई थीं। 22 जुलाई को पहली और 2 सितंबर को अंतिम

या शाही सवारी का आयोजन किया गया था। बता दें कि पिछले साल महाकाल बैलगाड़ी पर बैठकर नगर भ्रमण पर निकलते थे और भक्तों का हाल जानते थे।

इस साल 6 सवारियां यहां जाने सवारियों की डेट

-इस साल 2025 में 11 जुलाई से सावन मास आरंभ, जुलाई से अगस्त तक महाकाल सवारी की पूरी डेट लिस्ट...

जुलाई 2025 में महाकाल सवारी
- पहली सवारी - 14 जुलाई
- दूसरी सवारी - 21 जुलाई
- तीसरी सवारी- 28 जुलाई

अगस्त 2025 में महाकाल सवारी
- चौथी सवारी- 4 अगस्त
- पांचवी सवारी- 11 अगस्त
- छठी या शाही सवारी- 18 अगस्त

भक्तों के साथ सावन सोमवार उपवास पर रहेंगे महाकालेश्वर

बता दें कि सावन-भादौ के महीने में बाबा महाकाल भक्तों के साथ स्वयं भी उपवास रखते हैं। इस दौरान उपवास रखे हुए ही वे अपने भक्तों का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकल पड़ते हैं। महाकाल की सवारी में शामिल होने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

मध्य प्रदेश में सहकारी समितियों के चुनाव टले

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव सरकार ने एक बार फिर टाल दिए। अब समितियों के पुनर्गठन का हवाला देकर चुनाव आगे बढ़ाए गए हैं। दरअसल, सहकारिता मंत्रालय ने प्रत्येक पंचायत स्तर पर एक साख सहकारी समिति गठित करने के लिए कहा है। प्रदेश में परीक्षण करने के बाद लगभग साढ़े छह सौ समितियां बनाने का निर्णय हुआ है। इनमें से अभी मात्र 189 समितियां गठित करने की प्रक्रिया पूरी हुई है। इसे देखते हुए चुनाव टाल दिए गए।

उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार इसी माह से शुरू होनी थी प्रक्रिया समितियों की कमान किसानों के हाथों में सौंपना ही नहीं चाहती है,

इसलिए किसी न किसी बहाने से बार-बार चुनाव टाले जा रहे हैं। प्रदेश की साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव आखिरी बार 2013 में हुए थे, जिनका कार्यकाल 2018 में समाप्त हुआ। नियमानुसार छह माह पहले चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन विधानसभा चुनाव, किसान कर्ज माफी और अन्य कारणों से चुनाव प्रक्रिया लगातार टलती रही। चुनाव नहीं

होने के कारण हाई कोर्ट की जबलपुर व ग्वालियर खंडपीठ में कई याचिकाएं दायर हुईं।

12 साल बाद मई से शुरू होनी थी चुनाव प्रक्रिया

सरकार ने नई समितियों के गठन का हवाला दिया है। महाधिवक्ता कार्यालय के सुझाव पर राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने मई से सितंबर 2025 के बीच चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया। यह प्रक्रिया प्रारंभ हो पाती इसके पहले सरकार फिर हाई कोर्ट पहुंच गई और चुनाव आगे बढ़ाने की अनुमति मांगी। इसका आधार सहकारिता मंत्रालय के नई समितियों के गठन के दिशानिर्देश पर प्रचलित प्रक्रिया को बनाया। हाई कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया और एक बार फिर चुनाव टल गए। जबकि, चार चरण में प्रस्तावित कार्यक्रम में यह व्यवस्था रखी गई थी कि पहले चरण में उन समितियों को ही शामिल किया जाएगा, जो पुनर्गठित हो चुकी हैं। फिर जैसे-जैसे पुनर्गठन की प्रक्रिया होती जाएगी, वैसे-वैसे पुनर्गठित समितियों को शामिल किया जाता रहेगा।

> **दिग्विजय ने सीएम को लिखा पत्र...**
>
> पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सहकारिता के चुनाव न कराने पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विगत 12 सालों से चुनाव ही नहीं कराए गए हैं। उच्च न्यायालय द्वारा चुनाव न कराने पर राज्य सरकार पर पेनाल्टी लगाने के बाद भी चुनावी प्रक्रिया अभी तक शुरू नही की गई है। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों से लेकर जिला और शीर्ष संस्था अपेक्स बैंक तक सरकारी तंत्र के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने मांग की कि सभी समितियों के चुनाव तीन माह के भीतर कराए जाएं ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था से निर्णय हों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास सहकारी समितियों की कमान आ सके।

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौके पर मौत

दमोह ■

छतरपुर हाईवे पर सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मारा गांव के पास एक बार फिर भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कुछ दिन पहले इसी जगह के पास ट्रक और बाइक की टक्कर में तीन लोगों की जान गई थी।बहरहाल, ताजा घटना शनिवार को हुई जिसमें ककरा गांव निवासी मंगल उर्फ नन्नू अहिरवार41 पिता लल्लू अहिरवार अपनी बाइक एमपी 34 क्यू 1319 से मजदूरी करने के लिए इमलाई स्थित सीमेंट फैक्ट्री जा रहे था। रास्ते में मारा गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर यूके 06 सीबी 0067 ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मंगल की मौके पर ही मौत हो गई।

गुस्साए परिजनों ने लगाया जाम

इधर, हादसे की खबर लगते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचे और शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। मृतक के परिजन दोषी वाहन चालक पर कार्रवाई, परिवार को आर्थिक सहायता और मृतक के आश्रित को नौकरी देने की मांग कर रहे थे। इधर, चक्काजाम की सूचना मिलने पर देहात थाना प्रभारी रचना मिश्रा और पथरिया एसडीएम निकेत चौरसिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश दी और परिजनों को उचित मुआवजा व फैक्ट्री में नौकरी दिलाने

की कार्रवाई प्रस्तावित किए जाने आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और जाम हटाया गया। हालांकि इस पूरी कार्रवाई में दो घंटे का समय लगा जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और सैकड़ों वाहन सड़क के दोनों ओर खड़े नजर आए। इनमे कुछ वाहनों में सवारियां थीं जिन्हें जाम की वजह से परेशानी उठानी पड़ी। बाद में परिजनों की सहमति पर मृतक के शव का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दमोह भेजा गया और बाद में परिजनों को सौंपा गया। फिलहाल, पुलिस ने कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इमलाई से नरसिंहगढ़ तक हादसे की स्थिति हर समय बनी रहती है। इसकी वजह से 15 किमी के दरम्यान चलने वाले फैक्ट्री के सैकड़ों डंपर वाहन हैं। इन वाहनों में क्लिंकर, कोयला व राखड़ भरी होती है, जिसे ईमलाई से नरसिंहगढ़ और नरसिंहगढ़ से इमलाई फैक्ट्री लाया ले जाया जाता है। इस दौरान डंपर से डस्ट न उड़े इसकी व्यवस्था नहीं की जाती है, जो उड़कर दो पहिया वाहन चालाकों की आंखों में जाती है और बाइक चलाने में उन्हें असुविधा होती है। इसके अलावा फक्ट्री में चलने वाले वाहनों की रफ्तार अधिक रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि डंपर अधिक से अधिक चक्कर दिन भर में लगा सके। यही वजह है कि इस मार्ग पर हर समय सड़क हादसे की स्थिति बनी रहती है।लगातार हो रहे हादसों से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने मांग की है कि हाईवे पर ट्रैफिक नियंत्रण और स्पीड ब्रेकर जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं की जाएं, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डर्टी कांड करने वाले भाजपा नेता से सेटलमेंट के लिए मांगे गए थे रुपए

मंदसौर ■

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर महिला के साथ आपत्तिजनक हरकतें करने वाले भाजपा नेता मनोहर धाकड़ ने रविवार को डेढ़ बजे भानपुरा थाने पर सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने करीब तीन घंटे तक आरोपी धाकड़ से पूछताछ की। भाजपा का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। सूत्रों की माने तो पुलिस की पूछताछ में आरोपी मनोहर धाकड़ ने बताया कि उससे 6-7 सात लोग कुछ देर बाद एक्सप्रेस वे पर मिले। उससे कहा कि तुमने जो गलत काम किया। इसका वीडियो बन गया है। यह वीडियो वायरल ना हो इसके लिए एक लाख रुपए दो।

20 हजार में हुई डील

इस दौरान धाकड़ ने काफी हाथ पैर जोड़े उसके बाद 20 हजार रुपए में बात तय हुई ओर जेब में रखे 20 हजार रुपए ब्लैकमेल करने वालों को दिए। जिसके बाद धाकड़ और महिला कार से निकल गए। आरोपी धाकड़ से एसडीओपी दिनेश प्रजापति और थानाप्रभारी आरसी डांगी ने देर तक अलग-अलग पूछताछ की। सूत्रों की मानें तो भानपुरा पुलिस भाजपा नेता मनोहर धाकड़ की कॉल डिटेल भी निकल रही है। जिसमें यह देखा जाएगा किन-किन लोगों से धाकड़ ने बात की है। उसमें शामिल सभी लोगों को बुलाकर पुलिस पूछताछ भी की जाएगी। इसके अलावा एक्सप्रेस वे से जिन कर्मचारियों की सूची मिलेगी। उन सभी से भी पूछताछ की जाएगी। एक्सप्रेस के अधिकारियों ने तीन कर्मचारियों को निकालने की बात कही है। ऐसे में उन तीन कर्मचारियों पर ब्लैकमेलिंग को लेकर पूछताछ की जाएगी। इस पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने कहा कि आरोपी से पूछताछ की गई है।

श्रीधाम एक्सप्रेस का इंजन फेल, भीषण गर्मी में घंटो परेशान होते रहे यात्री

ग्वालियर ■

नई दिल्ली से मध्य प्रदेश के जबलपुर जाने वाली यात्रियों से भरी श्रीधाम एक्सप्रेस का इंजन चलते-चलते अचानक फेल हो गया। इस घटना के चलते ट्रेन घंटो तक एक छोटे से स्टेशन पर खड़ी रही। इंजन को दोबारा ठीक करने की रेलवे की लंबी जद्दोजहद और यात्रियों के लंबे इंतजार के बाद मालगाड़ी का इंजन मंगाया गया, जिसकी मदद से ट्रेन को खींचकर ग्वालियर रेलवे स्टेशन तक लाया गया। इस दौरान भीषण गर्मी में ट्रेन यात्री काफी परेशान होते नजर आए। हालांकि, इंजन फेल होने का कारण क्या है? विभाग इसकी जानकारी जुटाने के लिए जांच कर रहा है।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर बानमोर स्टेशन स्थित है, जहां से गुजरते समय गाड़ी नंबर 12191 श्रीधाम एक्सप्रेस का इंजन अचानक फेल हो गया। रविवार शाम 06 बजकर 36 मिनिट पर इंजन फेल हुआ। जिसके बाद लोको पायलट ने मामले की जानकारी कंट्रोल रूम को दी गई। लगभग ढाई घंटे से ज्यादा देर तक इंजन का इंतजार किया गया, जिसके बाद बानमोर स्टेशन पर मालगाड़ी के इंजन को ट्रेन में लगाकर ग्वालियर स्टेशन लाया जा सका, तब कहीं जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली। जहां इंजीनियरों ने ट्रेन के इंजन की जांच की।इसके बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया। बता दें कि, इंजन फेल होने के कारण गर्मी के मौसम में बानमोर स्टेशन पर यात्रियों को परेशान होना पड़ा। इंजन के खराब होने की जानकारी भी रेलवे कर्मचारी, यात्रियों को नहीं दे रहे थे।

हाईकोर्ट में अंबेडकर की मूर्ति लगाने को लेकर छिड़ा विवाद, छावनी में तब्दील हुआ बॉर्डर

ग्वालियर ■

मध्यप्रदेश के ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का मुद्दा ज्वंलत होता जा रहा है। इसको लेकर प्रशासन और भीम सेना के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। सोमवार को प्रशासन ने भीम आर्मी को सभा और फूलबाग में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने की अनुमति नहीं दी। इसके बावजूद भीम सेना ने रैली और सभा करने की घोषणा कर दी।

ग्वालियर-मुरैना बॉर्डर हुआ सील

मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय प्रशासन ने ग्वालियर-मुरैना बॉर्डर को पुलिस छावनी में

तब्दील कर दिया है। दोपहर 3 बजे के करीब भीम आर्मी के कार्यकर्ता आगे बढ़े तो उन्हें निरावली पॉइंट पर रोक लिया गया। भीम सेना के नेताओं ने अंदर जाने के लिए प्रयास किए तो पुलिस ने रैली की अनुमति दिखाने के लिए कहा। जिस पर विवाद हुआ और वापस लौटना पड़ा। लेकिन उससे पहले ही 29 जून को भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ग्वालियर में भीमराव अग्निपथ महासभा होने का ऐलान कर दिया। दरअसल, प्रतिमा विवाद में भीम सेना की एंट्री को देखते ही पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। प्रदर्शन में दिल्ली से भीम सेना के राष्ट्रीय नेता सहित कई और सदस्य आ रहे थे। इसी को देखते हुए पुलिस बॉर्डर को सील कर दिया। इसके लिए 800 सौ पुलिसकर्मियों को बॉर्डर पर तैनात किया गया है। ताकि शहर के अंदर शांति बनी रहे। दिल्ली और आगरा की ओर से भीम सेना के नेता काफिला लेकर ग्वालियर की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग के माध्यम से शहर में एंट्री रोक दी। इसको लेकर पुलिस और भीम सेना के नेताओं के बीच काफी देर तक बहस चली। इसको देखते हुए भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सतपाल सिंह तंवर ने ऐलान कर दिया कि 29 जून को ग्वालियर के फूलबाग मैदान पर भीमराव अग्निपथ महासभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में दलित समाज के लोग एकत्रित होंगे।

जेई-कंप्यूटर ऑपरेटर 30 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों धराए

धार ■

मध्यप्रदेश में रिश्वतखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन कोई न कोई अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा जाता है। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के धार जिले से सामने आया है। जहां बिजली चोरी के मामले में राशि कम करने की एवज में रिश्वत ली गई।

दरअसल, शिकायतकर्ता अनिल पाटीदार के घर में 18 मई को लाइट गोल हो गई तो उन्होंने सिंघाना कार्यालय में किया। फोन नहीं लगने के कारण दूसरी जगह से केबल जोड़कर बिजली चालू कर ली। अगले दिन बिजली कंपनी के जेआई अनिल वास्केल और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर 60 हजार रुपए का चालान काट दिया। इसको लेकर आवेदक 21 मई को मीटर रीडर वासुदेव से मिला और चालान की

राशि कम कराने के लिए बातचीत की। इसके बाद जेआई द्वारा चालानी कार्रवाई नहीं करने के लिए 40 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई। जिसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत लोकायुक्त में कर दी। शिकायत सही पाए जाने पर लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए जेई अनिल वास्केल और कंप्यूटर ऑपरेटर गणेश इस्के को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मीटर रीडर वासुदेव की तलाश में लोकायुक्त की जुटी हुई है। तीनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण की धारा 7 एवं धारा बीएनएस 61 (2) के तहत कार्रवाई जारी है।

ट्रैफिक सिग्नल के बिना कैसे संभलेगा दमोह का यातायात?

दमोह ■

शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के साथ यातायात दबाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसके विपरीत शहर में कहीं भी ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था नहीं है। नतीजा यह है कि सड़कों पर जहां तहां जाम लग रहा है, जिससे आमजन परेशान हो रहे हैं।

बता दें कि शहर के बस स्टैंड चौराहा, रेलवे स्टेशन, घंटाघर, पलंदी चौराहा और कलेक्ट्रेट के ठीक सामने जैसे प्रमुख स्थानों पर हर दिन यातायात का दबाव देखने को मिलता है। सुबह और शाम के समय तो हालात और भी खराब हो जाते हैं, जब स्कूल, कॉलेज और दफ्तरों की भीड़ सड़कों पर उतरती है।इधर, इस मुद्दे पर स्थानीय लोगों

से बात की, तो उन्होंने साफ कहा कि अब बहानों का वक्त नहीं, व्यवस्था चाहिए। वहीं दूसरी ओर याातयात नियंत्रण करने की जिम्मेदारी निभा रही यातायात पुलिस अमले में स्टाफ की कमी और संसाधनों का अभाव है। अधिकारियों का कहना है कि प्रमुख चौराहों पर सिग्नल के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक इस पर कोई स्वीकृति नहीं मिली है। घंटाघर से धगट चौराहा मार्ग पर किसी भी समय निकलें, तो जाम की समस्या देखने को मिल जाती है। खासतौर से दिन के 11 बजे के आसपास और शाम के समयर्ा स्थति अधिक खराब होती है।सुमित चौरसियाहर चौराहे पर सिग्नल लगे होने चाहिए, ताकि यातायात अपने आप नियंत्रित हो सके। पुलिसकर्मी हाथ से ट्रैफिक संभालते हैं, लेकिन ये हमेशा संभव नहीं है। **राहुल जैन**

बच्चों को हर दिन स्कूल-कोचिंग जाते वक्त जाम में फंसना पड़ता है। इससे समय की बबार्दी होती है और परेशान होना पड़ता है।दुर्गेश उपाध्यययातायात सिग्नल की मांग सालों से चली आ रही है, लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहर विकास को लेकर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं, लेकिन सिग्नल लगाए जाने की राशि स्वीकृत नहीं हो पा रही है। **रानू जैन**

यातायात नियंत्रण को लेकर शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी नियमित लगाई जा रही है। सिग्नल के लिए भी थाना स्तर से प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इसके अलावा अन्य प्रयास भी यातायात पुलिस द्वारा किए जा रहे हैं।

दलबीर सिंह मार्को, यातायात थाना प्रभारी

मंदिर के सामने दीवार को लेकर बवालः हथौड़ा-सब्बल लेकर पहुंचे बजरंगी, जमकर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

कटनी ■

मुख्य रेलवे स्टेशन कटनी जंक्शन के बाहर स्थित भगवान श्रीराम व हनुमानजी के मंदिर के सामने बनी दीवार को हटाने की मांग को लेकर रविवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकताओं ने उग्र आंदोलन किया। दीवार तोडने. पहुंचे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज किया, जिसमें एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता घायल हो गए, वहीं एसडीएम को भी चोटें आई हैं। बल प्रयोग, वॉटर केनन से पानी का छिडकाव व अधिकारियों की समझाइश व शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारी माने।

जानकारी के अनुसार करीब 8 साल पहले रेलवे प्रशासन द्वारा मंदिर के सामने दीवार खड़ी कर दी गई थी, जिससे मंदिर का मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गया। तभी से बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य हिंदू संगठनों द्वारा दीवार हटाने की मांग की जा रही है। दो साल पहले हुए आंदोलन के बाद दीवार को काटकर गेट लगा दिया गया था, लेकिन दीवार नहीं हटी थी। पिछले दो वर्षों से लगातार आंदोलन किए जा रहे थे। दो महीने पहले जिला प्रशासन ने दीवार हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद 23 मई तक दीवार नहीं हटने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। रविवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर दीवार तोडने. लगे। हथौड़े, सब्बल और अन्य औजारों से दीवार को क्षतिग्रस्त किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। लगातार मंदिर की दीवार को तोड़ा जा रहा था। सुरक्षा के मद्देनजर एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों को रोकने कहा, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। पुलिस के कुछ अधिकारी-कर्मचारियों लाठीचार्ज अत्यंत बर्बर था। कार्यकताओं को पीछे से पीटा गया, कई लोगों के सिर फूट गए और खून बहता रहा।

इतिहास बना सियासी हथियार : मुस्लिम शासक पाठ्यक्रम से गायब

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर धीरे-धीरे अमल किया जा रहा है। अन्य बातों के अलावा, इसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं भारतीय परंपराओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इतिहास विषय के पाठयक्रम में यह बदलाव किया गया है कि दिल्ली सल्तनत एवं मुगल शासन का विवरण पुस्तकों से हटा दिया गया है। मतलब करीब सात सौ सालों के इतिहास को मिटा दिया गया है। यह किसी भी पैमाने पर एक लंबा कालखंड है। एनसीईआरटी ने पहले मुगलों और दिल्ली सल्तनत का विवरण कम कर दिया था - जिसमें तुगलक, खिलजी, ममलुक और लोधी साम्राज्यों की जानकारी और दो पृष्ठों की तालिका, जिसमें मुगल सम्राटों की उपलब्धियां की जानकारी थी, को हटाना शामिल था। यह विवरण 2022-23 में कोविड-19 महामारी के दौरान पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के बहाने हटा दिया गया था। अब नई पाठ्यपुस्तक में उनका विवरण पूरी तरह से गायब कर दिया गया है।

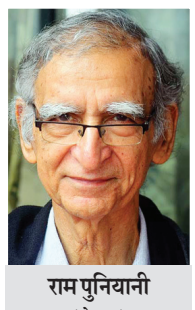

राम पुनियानी
(लेखक)
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

दिल्ली सल्तनत और मुगल शासकों का विवरण कक्षा 7 की पाठ्यपुस्तक से पूरी तरह हटा दिया गया है। इसके अलावा जिन अन्य पाठ्युपुस्तकों में जहां भी मुस्लिम शासकों का जिक्र था, उसे भी हटा दिया गया है। बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने के बाद मुंबई में हुई हिंसा (1992-1993) और गोधरा ट्रेन आगजनी के बाद गुजरात में हुई हिंसा (2002) का विवरण भी विलोपित कर दिया गया है। कई अन्य बातों के अतिरिक्त नाथूराम गोडसे के एक प्रशिक्षित आरएसएस प्रचारक होने और गांधीजी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात भी हटा दी गई है। कुंभ मेले का विवरण दिया गया है लेकिन वहां हुई भगदड़ में हुई मौतों और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ का कोई जिक्र नहीं है। इस सबकी शुरूआत कोविड के दौरान हुई जब विद्यार्थियों का बोझा कम करने के बहाने पाठ्यक्रम से कुछ सामग्री हटाई गई और उसके बाद युक्तियुक्तकरण का तर्क देते हुए ऐसा किया गया। हटाया गया हिस्सा वह था जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा वाले असहज महसूस करते थे। मुसलमानों का दानवीकरण करने और उनके खिलाफ घृणा फैलाने के लिए मुगलों को इतिहास के प्रमुखतम खलनायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। मुगलों के पहले के अलाउद्दीन खिलजी जैसे शासक भी हिंदुत्ववादी आख्यान के निशाने पर रहे हैं। अब तक मुसलमानों का दानवीकरण मुस्लिम राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट किए जाने पर आधारित होता था, जिसे तर्कवादी इतिहासकार चुनौती देते रहे हैं। मुस्लिम राजाओं द्वारा तलवार की नोंक पर इस्लाम फैलाया जाना भी इसका एक आधार रहा है। यह बात पूरी तरह गलत है क्योंकि शुरूआती दौर में हिन्दुओं के इस्लाम स्वीकार करने की वजह मुस्लिम अरब व्यापारियों के साथ भारतीयों का मेल-मिलाप था। बाद में निचली जातियों के कई लोगों ने जाति प्रथा पर आधारित जुल्मों से मुक्ति पाने के लिए इस्लाम अपनाया। हिंदुत्व विचारधारा तो इस हद तक आगे बढ़ गई है कि उसने इस कालखंड को अंधकारमय दौर बताया जिसमें हिंदुओं को व्यापक नरसंहार किया गया। इसमें कोई शक नहीं कि साम्राज्यों के दौर में राजनैतिक वजहों से युद्ध होना आम बात थी। राजा सदैव अपने साम्राज्य का विस्तार करना चाहते थे और इस

प्रक्रिया में बहुत से लोगों को अपनी जान गवांना पड़ती थी। लेकिन इसे व्यापक नरसंहार बताना पूरी तरह गलत है। हिन्दुत्व आख्यान के मूल में है साम्प्रदायिक नजरिए से इतिहासलेखन जो अंग्रेजों ने अपनी फूट डालो और राज करो की नीति के तहत करवाया था। इसमें राजाओं के समस्त निर्णयों को उनके धर्म से जोड़ा जाता है और राजाओं को उनके धार्मिक समुदाय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। हिन्दू साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में एक कदम और आगे बढ़कर यह दावा किया गया कि मुसलमान और ईसाई विदेशी थे जिन्होंने हिन्दुओं को सताया। मुस्लिम साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में इसी सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाया गया जिसमें मुसलमान शासक थे और हिन्दू उनके अधीन उनकी प्रजा थे। उन्होंने यह तस्वीर प्रस्तुत की कि मुसलमानों का यहां का शासक होना पूर्णतः तर्कसंगत था। यह नजरिया बाद में अंग्रेजों के लिए बहुत मददगार साबित हुआ और उन्होंने हमारे मिले-जुले समाज को बांटकर हमारे देश को दो भागों - भारत और पाकिस्तान में बांट दिया। सावरकर ने यह मत व्यक्त किया कि इस देश में दो राष्ट्र हैं, और जिन्ना ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र, पाकिस्तान की मांग सामने रख दी। पाकिस्तान अपने निर्माण के समय से ही मुस्लिम साम्प्रदायिकता के चंगुल में फंस गया और जहां तक वहां की पाठ्यपुस्तकों का संबंध है, उन्होंने पाकिस्तान का उद्भव मोहम्मद बिन कासिम के समय, यानि आठवीं शताब्दी से प्रस्तुत किया। इस समय उनकी पाठ्यपुस्तकों में हिंदू शासकों के बारे में एक शब्द भी नहीं है। मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्वों द्वारा हिंदुओं के बारे में फैलाई जा रही घृणा स्कूली पाठ्यक्रम से हिंदू राजाओं और संस्कृति का विवरण पूरी तरह से हटाने के साथ अपने शिखर पर पहुंच गई। एक तरह से पिछले तीन दशकों से भारत, पाकिस्तान की राह पर चल रहा है। पाकिस्तान के घटनाक्रम को पूरी तरह से यहां दुहराया जा रहा है। इस बात को पाकिस्तान की कवियत्री फहमिदा रियाज ने बहुत अच्छी तरह अपनी कविता में दशार्या था - अरे तुम भी हम जैसे निकले, अब तक कहां छुपे थे भाई। भारतीय शिक्षा प्रणाली पर हिंदू साम्प्रदायिक तत्वों के पूरी तरह काबिज होने के पहले भी आरएसएस शाखाओं के जरिए समाज के साम्प्रदायिक संस्करण को शाखा बौद्धिकों, एकल विद्यालयों और शिशु मंदिरों जैसी कई पहलों के जरिए फैलाया जा रहा था। समय के साथ मुख्यधारा का मीडिया और सोशल मीडिया भी इसमें उनका हाथ बंटाने लगा। संस्कृति सतत विकसित होती रहती है। इतिहास के जिस कालखंड को उलट-पुलट करने में हिन्दुत्ववादी शक्तियां जुटी हैं, उसके दौरान कई सामाजिक बदलाव हुए। वास्तुकला, खानपान वस्त्रों और साहित्य में तो परिवर्तन हुए ही, साथ ही धर्मों के मिलन से भक्ति और सूफी परंपराएं विकसित हुईं। इसी काल में सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला। अब इस राजनैतिक विचारधारा को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। अब मुस्लिम शासक तो हैं नहीं, तो वे मुसलमानों का दानवीकरण किस प्रकार करेंगे? औरंगजेब और बाबर की जगह लेने के लिए नए पैंतरे तैयार किए जा रहे होंगे क्योंकि अब वे तो किसी काम के रहे नहीं! इतिहास राष्ट्रवाद के विचार का केन्द्रीय तत्व है। एरिक फॉर्म के अनुसार इतिहास का राष्ट्रवाद के लिए वही महत्व है जो अफीम की लत वाले के लिए अफीम का होता है। जबसे भाजपा 1998 में एनडीए के रूप में सत्ता पर काबिज हुई, उसने जो सबसे बड़ा काम किया उसे शिक्षा का भगवाकरण कहा जाता है। इसके अंतर्गत इतिहास का विवरण देते समय वीर और यशस्वी हिंदू राजाओं के दुष्ट और आक्रामक मुस्लिम राजाओं के टकराव का आख्यान पेश किया जाता है। यह आरोप लगाया जाता है कि अब तक इतिहासलेखन वामपंथी इतिहासविद् करते रहे, जिन्होंने दिल्ली के शासकों को केन्द्र में रखा और जो मुस्लिम-समर्थक थे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि पाठयपुस्तकों में किसी विशिष्ट वंश का विवरण उनके शासनकाल की अवधि के अनुपात में दिया जाता था। 1980 के दशक तक की इतिहास की पुस्तकों में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के राजाओं का अच्छा खासा विवरण रहता था। विवरण सिर्फ धर्मों पर केन्द्रित नहीं रहता था बल्कि समुदायों का समग्र विवरण दिया जाता था जिसमें व्यापार, संस्कृति व साहित्य सहित अन्य क्षेत्रों की जानकारी भी रहती थी। यह सच है कि अपने भविष्य के निर्माण के लिए हमें शासकों यानि राजाओं पर केन्द्रित इतिहास की जरूरत नहीं है। हमें समाज के विभिन्न तबकों, दलितों, महिलाओं, आदिवासियों और कारीगरों पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जिन्हें इन आख्यानों में पर्याप्त स्थान हासिल नहीं हो सका है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

न्यूज ब्रीफ

खंडवा गैंगरेप मामले में एमपी महिला कांग्रेस का भोपाल में प्रदर्शन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक आदिवासी महिला के साथ हुई गैंगरेप और निर्मम हत्या की घटना को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार विरोध दर्ज कर रही है। कांग्रेस की सभी बड़े नेता इस पर अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं। सोमवार को मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस ने राजधानी भोपाल में उग्र प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। इधर प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित तीन सदस्य टीम खंडवा पहुंचकर मामले की जमीनी हकीकत जानी। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल ने किया। उन्होंने घटना को प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सीधा सवाल बताते हुए कहा कि आदिवासी बहनों की सुरक्षा के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार की असलियत सामने आ चुकी है। जब महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, तो यह सरकार किस काम की ?₹ प्रदर्शन में महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष संतोष कंसाना, प्रदेश महामंत्री शीतल मालवीय, तस्लीम लश्करी, लता देवरे, चंदा सरवटे, महक राणा, कुसुमलता विजयवर्गीय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमारी केवट और रत्ना तंत्र पांडे समेत अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहीं। महिला कांग्रेस ने इस अमानवीय घटना की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग की है। साथ ही, आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष कानून और निगरानी तंत्र की स्थापना की भी मांग रखी गई है।

नशा एक अभिशाप है...नशे को दूर भगाओ सुखी परिवार एवं खुशियों पाओ ...

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। नशा एक अभिशाप है नशे को दूर भगाओ सुखी परिवार एवं खुशियों पाओ जैसे नारों को सार्थक करने के लिए श्री जैन श्वेतांबर सोश्यल ग्रुप सेंधवा द्वारा पिछले कई महीनो से नशा मुक्ति अभियान के तहत निशुल्क नशा मुक्ति दवाई वितरण शिविर आयोजित किया जा रहे हैं। दिनांक 26 मई को प्रेमसुख हॉस्पिटल एवं नशा मुक्ति केंद्र सेंधवा पर शराब मुक्ति शिविर आयोजित किया गया जिसमें कुल 29 लोगों को द्वारा शराब मुक्ति हेतु दवाइयां ली गई इस शिविर में सेंधवा के अलावा बाहर के कई क्षेत्रों से नशा मुक्ति हेतु दवाइयां लेने के लिए आए थे। शिविर में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं ब्लड इन्वेस्टिगेशन की सुविधा उपलब्ध थी। विदित होने की पिछले शिविरों में जिन लोगों द्वारा नशा मुक्ति हेतु दवाइयां ली गई थी उनमें से बहुत से लोगों की शराब पीने की लत छूट गई है ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर एम.के. जैन ने बताया कि आगामी शिविर 26 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर भी निशुल्क शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर एम.के. जैन, परेश सेठिया एवं मितेश बोकडिया द्वारा दी गई।

अनिस शेख बेस्ट ऐंकर के अवार्ड से सम्मानित

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। इंदौर के रविंद्र नाट्य गृह में संस्था सुरीली बिछात के तत्वावधान में राज कपूर के गीतों की संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ 20 एंकर्स को सम्मानित किया गया। संस्था के संरक्षक गोपाल वाधवा ने सेंधवा के शिक्षक अनिस शेख को सर्वश्रेष्ठ ऐंकर के अवार्ड से सम्मानित किया।

पटवारी बेटा रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ाया तो पिता ने निगल लिए रुपए, अल्ट्रासाउंड कराने ले गई लोकायुक्त टीम

छतरपुर ■

छतरपुर जिले के नौगांव तहसील के नेगुंवा हल्का में पदस्थ पटवारी पंकज दुबे को लोकायुक्त सागर की 10 सदस्यीय टीम ने 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई शनिवार सुबह 9 बजे की गई, जब फरियादी दयाराम राजपूत द्वारा दी जा रही रिश्वत की रकम को पटवारी पंकज दुबे स्वीकार कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, फरियादी दयाराम राजपूत ने अपने खेत के सीमांकन संबंधी मामले में पटवारी द्वारा पहले 10 हजार रुपए की मांग की बात कही थी, लेकिन सौदा पांच हजार रुपए में तय हुआ। फरियादी के अनुसार, पटवारी ने स्पष्ट रूप से पैसे लिए बिना सीमांकन नहीं करने की बात कही थी।

लोकायुक्त की टीम ने की तगड़ी कार्रवाई

इस कार्रवाई का नेतृत्व सब इंस्पेक्टर केपीएस बैन ने किया, जिसमें निरीक्षक रोशनी जैन, आरक्षक आशुतोष व्यास, संतोष गोस्वामी, विक्रम सिंह, गोल्डी पासी, आदेश तिवारी, प्रदीप दुबे सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। जैसे ही यह घटना हुई, नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया।

टीम को देख निगले रुपए

फरियादी की शिकायत पर जैसे ही लोकायुक्त टीम ने पटवारी को रंगे हाथों पकड़ा, उसी समय उसके पिता देवीदीन दुबे ने रिश्वत की रकम के पांच हजार रुपए मौके पर ही निगल लिए। इस अप्रत्याशित हरकत से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

अल्ट्रासाउंड के लिए आनाकानी करता रहा पटवारी का पिता

5000 रुपए निगलने के बाद, लोकायुक्त टीम आरोपी के पिता देवीदीन दुबे को छतरपुर जिला अस्पताल ले गई, जहां उनका अल्ट्रासाउंड कराया जाना था, ताकि निगली गई राशि की पुष्टि हो सके। लेकिन अस्पताल में देवीदीन ने अल्ट्रासाउंड कराने से इनकार कर दिया, जिससे लोकायुक्त टीम को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पटवारी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। लोकायुक्त टीम ने उस वीडियो फुटेज को भी जब्त कर लिया है। फिलहाल पटवारी पंकज दुबे और उनके पिता देवीदीन दुबे दोनों से पूछताछ जारी है, और आगे की जांच की जा रही है।

पीजी मेडिकल छात्रा को वापस दें शिक्षा संबंधित दस्तावेज, जुमार्ने का मामला रहेगा याचिका का अधीन

जबलपुर ■

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने मेडिकल पीजी सीट छोड़ने वाली महिला डॉक्टर को आंशिक राहत प्रदान की है। युगलपीठ ने सीट लिविंग बॉण्ड की शर्त अनुसार 30 लाख रुपये की राशि जुमार्ने के रूप में लिए बिना याचिकाकर्ता को दस्तावेज लौटाने के आदेश जारी किए हैं।

भोपाल निवासी डॉ. निशा सिंह रावत की तरफ से दायर याचिका में कहा गया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में उसने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में माइक्रोबायोलॉजी पीजी मेडिकल सीट पर दाखिला लिया था। इसके बाद पिता की मृत्यु होने के कारण भोपाल में मां की देखभाल के कारण उसे मजबूरन कोर्स छोडना पड़ा। वह गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल में सामुदायिक चिकित्सा विभाग में एक प्रदर्शक के रूप में फिर से शामिल होना चाहती है। एनएससीबी मेडिकल कॉलेज द्वारा सीट छोड़ने के बॉण्ड टर्म के अनुसार दस्तावेज लौटाने के एवज में 30 लाख रुपये मांगे जा रहे हैं। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने युगलपीठ को बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने पहले ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 लाख रुपये के बॉण्ड की शर्त हटाने का निर्देश दिए थे। मध्य प्रदेश सरकार ने 15 जून, 2024 को जारी आदेश में कहा है कि पीजी सीटें छोड़ने वाले छात्रों से कोई बॉण्ड राशि नहीं ली जाएगी। याचिकाकर्ता को पिता की मौत के कारण मजबूरन सीट छोड़ना पड़ी है।

भोपाल का काजी कैंप पाकिस्तान नहीं, रात 10 बजे बंद होंगे सभी बाजार-शर्मा

भोपाल ■

राजधानी भोपाल में हाल ही में सामने आए लव जिहाद के मामले के बाद भाजपा नेता और सांसद आलोक शर्मा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। शर्मा ने कहा कि शहर में अब रात 10 बजे के बाद कोई भी बाजार खुला नहीं रहेगा। शर्मा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर सभी बाजारों को एक समान समय पर बंद कराने की मांग की। उनका कहना है कि यदि न्यू मार्केट, बरखेड़ा और संत हिरदाराम नगर जैसे क्षेत्रों में दुकानें 10 बजे बंद हो सकती हैं, तो काजी कैंप और शाहजहानाबाद जैसे इलाकों में बाजार रातभर क्यों खुले रहते हैं? शर्मा ने कहा कि काजी कैंप पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है, वो भी भोपाल का ही हिस्सा है। एक शहर में दो कानून नहीं चल सकते। उन्होंने यह भी कहा कि वे खुद अधिकारियों के साथ रात में शहर का निरीक्षण करेंगे और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करवाई जाएगी। सांसद शर्मा ने कहा कि लव जिहाद का आरोपी फरहान हिंदू युवतियों को गुमराह करने के लिए सिर पर रोली का टीका, केसरिया गमछा और हाथ में कलावा पहनता था। शर्मा ने कहा कि इस घटना में गंभीर और आपत्तिजनक तथ्य सामने आए हैं, जो सोचने पर मजबूर करते हैं।

आधार कार्ड फजीर्वाड़ा: देश के 6 राज्यों में हजारों कार्ड बने, अफसरों की भूमिका संदिग्ध

दमोह ■

एमपी के दमोह की आधार आईडी से देश के 6 राज्यों और 20 से अधिक जिलों में आधार कार्ड बनाए जाने के मामले में अब पुलिस जांच बढ़ गई है। इस संबंध में खुलासे और लगातार खबरों के 24 दिन बाद पुलिस ने आखिरकार मामले में दो आधार आइडी ऑपरेटर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में कई अफसरों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं , अब ई गवर्नेंस प्रबंधक, लोक सेवा संचालक और प्रबंधक के विरुद्ध भी जांच के दौरान आए तथ्यों और आइडी ऑपरेटर के बयानों पर आरोप तय किए जा सकते हैं। इसके अलावा आधार से संबंधित अन्य अधिकारियों की संलिप्तता भी इसमें मिलने पर आगे कार्रवाई हो सकती है।

एसपी के अनुसार आधार के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर और नियमों के पढ? के बाद यह कार्रवाई की गई है। मामले में स्पष्ट हो रहा है कि फर्जी आधार कार्ड या अपडेशन का जो काम हुआ है, उसमें प्रारंभिक तौर पर आइडी ऑपरेटर के आरोप तय हो रहे हैं। इन दोनों आइडी ऑपरेटर से हम पूछताछ करेंगे। आधार आइडी संबंधी डिटेल शेयर करना, गड़बड़ी करना सहित अन्य बिंदुओं पर सवाल किए जाएंगे। इसके आधार पर जो आरोप और तथ्य सामने आएंगे, जोड़े जाएंगे और संबंधितों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि प्रदेश के बाहर जो आइडी संचालित हुई है और उसमें कोई फर्जी आइडी बनी है, उसमें पता लगाया जा रहा है कि जिन लोगों की आइडी बनी है, वह कहां से आए हैं! वे देश के बाहर तो नहीं हैं! इस संबंध में भी पत्राचार किया गया है। जानकारी प्राप्त होते ही आगे कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने 24 दिन बाद आधार आईडी ऑपरेटरर्स पर प्रकरण दर्ज किया है, जबकि अब तक कोई विशेष जांच अधिकारी नियुक्त नहीं। मुख्य जांच में प्रशासन की तरफ से ई गवर्नेंस अधिकारी को पुलिस के सहयोग के लिए रखा गया है, जबकि प्रकरण में वह भी संदेह के दायरे में है।

चक्रवातीय परिसंचरण ने बदला मौसम

भोपाल। मौसम का मिजाज पलभर में बदल जाता है, यह बात एक फिर तब साबित हुई जब एमपी में नौतपा में सावन का सा नजारा दिखाई दिया। सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में जोरदार बरसात हुई, अनेक प्रमुख शहर पानी से तरबतर हो गए। राजधानी भोपाल में भी मौसम के तेवर तेजी से बदलते रहे। कभी तेज धूप निकली तो कभी सूरज घने बादलों से ढंक गया। खास बात यह है कि प्रदेश में अगले तीन दिन भी मौसम यूं ही बना रहेगा। मौसम विभाग ने चक्रवातीय परिसंचरण से कई जिलों में आंधी पानी का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार एमपी में पिछले 24 घंटे में एक दर्जन से ज्यादा जिलों में बरसात हुई। मंडला में तो करीब आधा इंच पानी गिरा।

एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये लगेंगी विशेष कक्षाएं, जारी हुआ निर्देश

भोपाल ■

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने एमपी बोर्ड की कक्षा-10वीं/12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसे लेकर संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय स्कूलों को निर्देश जारी किए गए हैं। भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि विशेष कक्षाओं के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। इसे लेकर हम तैयारी शुरू कर रहे हैं।

अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहें शिक्षक

शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विषय शिक्षकों को अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने को कहें। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध

करायी गयी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। कठिन बिन्दुओं के संबंध में भी विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनायेंगे।

दो जून से विशेष कक्षाएं

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रातः 10:30 बजे से कक्षाएं संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जाएगी।

यह दिए गए निर्देश

जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को विशेष कक्षाओं के विधिवत संचालन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने को कहा गया है। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिये विद्यार्थियों से सतत चर्चा करने के लिये कहा गया है। विद्यार्थियों को विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध टिप्स एण्ड ट्रिक्स के वीडियो दिखाये जाने के निर्देश दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल बोर्ड में हेल्पलाइन नम्बर 18002330175 बनाया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी से द्वितीय बोर्ड परीक्षा की उनके जिले में लगायी जा रही कक्षाओं की मॉनीटरिंग करने के लिये भी कहा गया है।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर... 4 एकड़ में फैली कॉलोनी को तोड़ा

रीवा ■

मध्यप्रदेश के रीवा में नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चला दिया है। नगर निगम की टीम बड़ी संख्या में पुलिस बल लेकर पहुंची थी। जिसके बाद कार्रवाई की गई। दरअसल, शहर के निपानिया क्षेत्र में नगर निगम ने मध्य प्रदेश नगर पालिक अधिनियम 1956 की धारा 292(7) के तहत कार्रवाई की। जहां कॉलोनी में बनाई गई सड़क को पूरी तरह से उखाड़ दिया गया और बिजली कनेक्शन काट दिए गए। 4.35 एकड़ में बिना अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। यह कॉलोनी अनूप कुमार तिवारी द्वारा विकसित की जा रही थी। पहले उन्हें नोटिस और चेतावनी दी गई थी, लेकिन निर्माण न हटाए जाने के कारण यह सख्त कार्रवाई की गई। इधर, नगर निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वह किसी भी प्लॉट या जमीन की खरीद से पहले उसकी वैधता की जांच अनिवार्य रूप से करें। कार्रवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला, सहायक यंत्री पी. एन. शुक्ला, उपयंत्री हरेराम मिश्रा, श्याम सुंदर मिश्रा, सुनील मिश्रा, अतिक्रमण प्रभारी रावेंद्र शुक्ला, पुलिस बल तथा नगर निगम के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अहिल्यादेवी होल्कर का शासनकाल दुनियाँ के लिये मिशाल

मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर के होल्कर राजवंश के महल राजवाडा मे 20 मई को आयोजित हुई। राजवाड़ा मे बैठक के पीछे सरकार का संदेश लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती को यादगार एवं चिरस्थाई बनाना रहा है। प्रजातंत्रिक ढंग से चुनी गयी मोहन यादव सरकार ने एमपी की राजधानी भोपाल मे बने विधानसभा भवन की बजाय इंदौर के राजवाड़ा मे सरकार की एक दिवसीय बैठक का राजशाही अंदाज मे आयोजन किया। इस हेतू इंदौर के राजवाड़ा मे मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की बैठक उसी प्रकार सजाई गयी जैसे राजवाड़ा पर राजा महाराजा के समय हुआ करती थी।

नरेंद्र तिवारी पत्रकार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

असल मे इस बैठक के पीछे लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को याद करना था। उनके लोकहितार्थ किये कार्यो को याद करना था। परम शिवभक्त अहिल्याबाई होल्कर का सम्पूर्ण जीवन सादगी, गरिमा और संघर्ष की मिशाल रहा है। उनका शासनकाल जनहित और लोकमंगल का प्रमाण है। उन्होंने अपने राज्य मालवा मे उत्कृष्ट कार्य किये अपनी सीमा से बाहर भी जनहित के कार्य किये। उनका शासन मालवा राज्य का स्वर्णिम काल रहा है। अहिल्या बाई एक साधारण परिवार मे जन्मी असाधारण महिला थी। अपने लोकमंगल के कार्यो से समाज ने उन्हें देवी अहिल्या का दर्जा दिया। अहिल्या बाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी ग्राम मे हुआ था। उनके पिता का नाम मानको जी शिंदे था। वे खेतीबाडी करते थे,अहिल्या बाई अपने पिता की एकमात्र संतान होने से परिवार मे उनके प्रति अपार स्नेह था। अहिल्या बचपन से ही शिव की परम भक्त थी, ईश्वर पर उनका अटूट विश्वास था। ईश्वर पर उनका विश्वास जीवनपर्यन्त कायम रहा। उनका विवाह मालवा के शासक मल्हारराव होल्कर के पुत्र खाण्डेराव होल्कर से हुआ। उन्होंने अपनी सरलता से ससुराल वालों का दिल जीत लिया। सब उन्हें बहुत स्नेह करते थे, उनकी दो संताने हुई। पुत्र का नाम मालेराव एवं पुत्री का नाम मुक्ताबाई था। उनके जीवन मे परिवार का सुख अधिक नहीं रहा। भरतपुर युद्ध मे खाण्डेराव वीरगति को प्राप्त हो गए। अहिल्याबाई युवा अवस्था मे ही विधवा हो गयी, उन्होंने रंगीन वस्त्र त्याग दिए सफेद वस्त्र धारण करने का निर्णय लिया। ससुर मल्हारराव, पुत्र मालेराव एवं पुत्री मुक्ताबाई भी असमय काल कलवित हो गए अहिल्या बाई ने इस विपरीत समय मे विचलित होने के बजाय, धैर्य और संयम से अपने आप को संभाला मालवा राज्य की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। अहिल्या बाई ने एक शासक रहते हुए अनेकों परोपकारी कार्य किये अपने राज्य के आलावा अन्य राज्यों मे उनके किये कार्य अब भी दिखाई देते है। उन्होंने तीर्थ क्षेत्रों मे घाट, कुएँ, बावड़ियों, धर्मशालाओं, आश्रमों, अन्न क्षेत्रों, एवं प्याऊ का निर्माण कराया। इनमे वाराणसी, अयोध्या,

मथुरा, हरिद्वार, गया, द्वारिका, सोमनाथ, बद्रीनारायण, रामेश्वरम आदि सम्मिलित है। उन्होंने नदियों पर बने घाटों पर महिलाओं के स्नान की पृथक व्यवस्था कराई जिससे महिलाए सुरक्षित वातावरण मे स्नान कर सके। तीज त्योहारों, उत्सवों पर वें मन्दिरों को दान देती थी। छोटे से ग्राम इंदौर को एक विकसित नगर बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक महिला होने के नाते उनका तत्कालीन समय मे महिलाओं की स्थिति को लेकर विशेष ध्यान था, महिला शिक्षा को लेकर उन्हें चिंता थी। उनका मानना था की शिक्षित महिला परिवार और देश को आगे बढ़ाने मे मददगार शाबित होती है। महिला शिक्षा हेतू उन्होंने व्यापक प्रबंध किये। महिलाओं की स्थिति को लेकर उनकी चिंताओं के कारण ही विधवा महिलाओं के निसंतान रहने पर उसके पति की सम्पति राजकोष मे जमा करने के कानून मे संशोधन करते हुए विधवा महिलाओं को पति की सम्पति मे अधिकार देने वाला कानून बनाया। उन्होंने किसानों के लगान को कम किया, किसानों को मजबूत और खेती को उन्नत करने के लिये काम किया। उद्योगो से रोजगार मिलता है, राज्य समृद्ध और उन्नतिशील होता है। यह सोच उनके जहन में थी। उन्होंने नर्मदा तट पर स्थित महेश्वर को राजधानी बनाया और इसे धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के रूप मे विकसित किया। यहां उन्होंने अहिल्या किला, नर्मदा घाट, अहिलेश्वर मंदिर, न्याय सभा, और पाटेश्वर तीर्थ का निर्माण कराया। महेश्वर मे वस्त्र उद्योग की स्थापना उनकी व्यवसायिक दूरदृष्टि का उदाहरण है, एक समय यह उद्योग विश्व प्रसिद्ध था, जो बुनकरों की जीविका का महत्वपूर्ण साधन माना जाता था। परम शिव भक्त अहिल्या देवी होल्कर ने अपनी राजकीय मुद्रा मे भगवान शिव, शिव वाहन नंदी, बैल पत्र के प्रतिको को अंकित कराया। उनके शासनकाल में राजाज्ञाओं पर श्री शंकर आज्ञा लिखा रहता था। उनका यह स्पष्ट मत था की सत्ता मेरी नहीं है, सम्पत्ति भी मेरी नहीं है, जो कुछ है भगवान का है। समाज भगवान का प्रतिनिधि है और सारी सम्पदा समाज की है। इतिहासकार सर यजुनाथ सरकार ने अहिल्या बाई होल्कर के बारे मे लिखा 'वें उच्च श्रेणी की कूटनीतिक थी, उनकी लोक सेवा और दानशीलता संकीर्ण धार्मिकता नहीं थी, अपितु मूल्यों की स्थापना के स्थाई केंद्र थे।' देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दैवी अहिल्या बाई के संबंध मे अपनी पुस्तक भारत एक खोज मे लिखा मध्य भारत मे अहिल्या देवी का शासन 30 बरसो तक चला। इस काल मे उत्तम व्यवस्था बनी लोगो तक समृद्धि पहुंची। वें बहुत कुशल शासक थी। उनकी मृत्यु के पश्चात कृतज्ञ लोगो द्वारा उन्हें एक संत के रूप में माना गया। अब जबकि राष्ट्र अहिल्या देवी होल्कर को याद कर रहा है, एमपी की मोहन यादव सरकार ने उनके 300 वें जन्मोंउत्सव के अवसर पर होल्कर राजघराने के इंदौर स्थित राजवाड़ा पर कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया। तब लगा की सरकारों को अहिल्याबाई के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शासनकर्ता अपनी प्रजा को सब अभावों से मुक्त करता है। अहिल्याबाई की प्रजा के प्रति अपनाई नीति को सरकारों की कार्यप्रणाली में शामिल होना चाहिए। न्याय सबको मिले इस पर सबका समान हक है। जनहित के कार्यों मे लालफीताशाही से परेशान प्रदेश की जनता को निजात दिलाना, किसानों की फसलों का उचित भाव मिलना, प्रदेश के नगरो मे उद्योग धंधो के विकास की योजनाएँ बनाकर उन्हें ईमानदारी से क्रियान्वयन करना, महिलाओं की स्थिति मे सुधार करना, गरीब, शोषित वँचित लोगो के विकास की योजनाएँ बनाना उन्हें जमीन पर उतारना, जनहित और लोककल्याण के कार्यो मे सरकारी सिस्टम का ईमानदार होना आवश्यक है। भष्ट्राचार मुक्त शासन को अमलीजामा पहनाकर ही धर्मनिष्ट शासक अहिल्या दैवी होल्कर के कार्यो और लोकसेवा को सच्चे मन से याद किया जा सकता है। अहिल्या बाई का शासन काल दुनियाँ मे मिशाल के तौर पर सदियों याद किया जाएगा।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

कोटा व अन्य जगह कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या दुर्भाग्यपूर्ण है

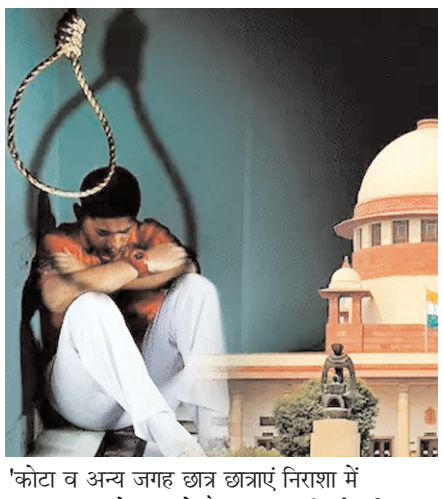

'कोटा व अन्य जगह छात्र छात्राएं निराशा में आत्महत्या क्यों कर रहे हैं। खासकर सिर्फ इसी साल 5 महिने में 14 छात्र छात्राओं ने सिर्फ कोटा में ही क्यों आत्महत्या की यह बहुत गंभीर बात है ? तभी देश की सर्वोच्च अदालत ने राजस्थान सरकार को फटकार भी लगाई है। माननीय न्यायाधीश ने सही कहा ऐसे मामलों को क्यों हल्के में लिया जाता है। कोचिंग संस्थान ऐसे संवेदनशील मामलों में चुप्पी क्यों कर लेती है। यह बच्चों के भविष्य का सवाल है।

हरिहर सिंह चौहान
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

जीवन की आपाधापी में उन्हें मशीन मत बनाइए।

युवा वर्ग को को आत्महत्या जैसा कदम नही उठना चहिऐ, चाहें कितना भी दुख हो यह तकलीफ हो ,संघर्ष के रास्ते पर चलकर जीना सिखना ही मनुष्य का धर्म है । समाजिक स्तर पर हम सभी को अपने बच्चों के प्रति आशावान होना चाहिए। जब भी कठिनाइयां आये तो बस अपनों का साथ होना बहुत जरूरी है। दुख तकलीफ तो बहुत है दुनिया में पर ऐसे मुश्किल समय में दोस्तों से बात होना जरूरी है। समय कितना भी खराब हो पर अपनों के लिए आप आगे आओ। बातचीत करने से समस्या का हल हो जाता है , और दिल में दर्द नहीं रहता। बोलचाल हो तो दिमाग में गम नहीं होगा। इसलिए मैं यही सोचता हूं कि अकेले में भी मनुष्य अगर अपनों से वातालाप करें तो मन के विकार दूर हो जातें हैं। युवा पीढ़ी व छात्र छात्राओं के आत्महत्या जैसे गलत कदमों को उठाने पर भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय भी कोचिंग संस्थानों पर अपनी निगरानी रखें। ऐसी गाईडलाइन बनाई जाएं जिससे युवाओं के मन में आत्महत्या जैसे इस तरह के गलत कदम नहीं उठाए । कोचिंग संस्थान में भी बच्चों में आत्म विश्वास जागने हेतु मिलजुल सकारात्मक कदम उठाए। बच्चों में नाकारात्मकता की और जाने वाले प्रतिस्पर्धा के रंग में युवा पीढ़ी को मत डालो। कोचिंग संस्थान में छात्र छात्राओं को एक तराजू में नहीं तोला जाएं, और ना उन्हें पढ़ाई का दबाव बनाया जाए। अगर ऐसा नहीं करेंगे तो व निराशा में डुब जायेंगे और आत्महत्या जैसा गलत कदम उठाएंगे। ऐसा देखा जाता है कि अच्छे अच्छे पढ़ाई करने वाले 90 प्रतिशत लाने वाले बच्चे भी जिन्दगी से हार क्यों मान रहे हैं ? आत्महत्या के मामले में माता पिता और परिजनों को अपने बच्चों को प्रतिस्पर्धा या नम्बर की रैस में नहीं ले जाएं। ऐसे तो समाजिक स्तर पर यहां कदम दुर्भाग्यपूर्ण है। युवा पीढ़ी को आजादी से उनके पंखों को फैलने दो। बच्चों की इच्छाशक्ति को समझें तभी वह सफलता की सीढ़ी पर चलकर आगे बढ़ेंगे। आत्महत्या जैसा गलत कदम उठाने से बचाने हेतु हम सभी मिलकर प्रयास करें। क्योंकि यह समाज के लिए अभिशाप है।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल...

ललित गर्ग | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है।

आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन ह्यहर हाथ को कामह्ल का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे। भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दशार्ता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है। सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

5.50 लाख मस्जिदों के ईमाम नहीं पढ़ाएंगे जनाजे की नमाज

ऑल इंडिया इमाम आगेर्नाइजेशन के चीफ इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने एक फतवा 27 अप्रैल को जारी किया है। जिसमें कहा गया है, आतंकवादी शैतान होता है। किसी भी आतंकवादी के साथ शैतान की तरह ही व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने फतवे में कहा कि भारत के अंदर कोई भी आतंकवादी मारा जाता है, ऐसी स्थिति में उसके जनाजे की नमाज कोई ईमाम नहीं पढ़ाएगा। भारत के कब्रिस्तान में उसे दफनाया भी नहीं जाए। उन्होंने 5.50 लाख मस्जिदों के इमाम को फतवा भेजा है। लव जिहाद के मामले में भी इलियासी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, समाज में कुछ लोग नाम और पहचान छुपाकर शादी या निकाह करते हैं, यह गलत है। इलियासी ने कहा कि इस्लाम, शांति प्रेम और सहिष्णुता का धर्म है। इस्लाम आतंकवाद का धर्म नहीं है। डॉ. इलियासी ने पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और सही जवाब दिया है। यह आपरेशन भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बलूचिस्तान को भी स्वतंत्रता देने की वकालत की। डॉ इलियासी ऑल इंडिया इमाम ऑगेर्नाइजेशन के चीफ इमाम है, उन्होंने जो फतवा जारी किया है, निश्चित रूप से उसका पालन भारत की सभी मस्जिदों और कब्रिस्तानों में होगा। आतंकवादियों के जनाजे की नमाज कोई इमाम नहीं पढ़ाएगा, तो मुस्लिम समाज के बीच में इसका एक बेहतर संदेश जाएगा। इसके साथ ही भारत के सभी वर्गों के नागरिकों के बीच में भी यह संदेश जाएगा। मुस्लिम धर्म को मानने वाले लोग आतंकवादियों को शैतान मानते हैं। अतः जो आतंकवादी यह मानकर चलते हैं, वह इस्लाम की लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें मरने पर जन्नत नसीब होगी। इस फतवे ने आतंकवादियों को भी बड़ा संदेश दे दिया है। इस्लाम में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं है। इस्लाम में आतंक को शैतान का कार्य माना गया है। शैतान का मस्जिद में प्रवेश हो ही नहीं सकता है। शैतान मरते हैं, तो उनके जनाजे की नमाज भी मस्जिद में नहीं होनी चाहिए। यह संदेश देकर उन्होंने भारत में इस्लाम धर्म और भारत के सभी धर्म के बीच के भाईचारे को मजबूत करने का काम किया है। निश्चित रूप से किसी भी धर्म के मूल में शांति, सद्भाव और सेवा का ही वर्णन मिलता है। सभी धर्म में मानवीय आचरण में शांति, प्रेम और सद्रभाव को ही धर्म बताया गया है। जिस तरह से मुस्लिम समाज के इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने जब सारी दुनिया में आतंकवाद बढ़ रहा है, ऐसे समय पर उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ फतवा जारी करके मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ भारत और दुनिया के सभी देशों के नागरिकों को शांति का संदेश देने की कोशिश की है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। इसके साथ ही अन्य धर्म के धार्मिक गुरुओं को भी आगे आकर शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश देना चाहिए। तभी मानवीय समाज का उत्थान और विकास संभव है। भारत इस मामले में दुनिया के सभी देशों में सबसे अलग है। हजारों वर्षों से भारत में विभिन्न संस्कृति, विभिन्न धर्मों और विभिन्न भाषाओं के लोग यहां पर रहते हैं। जैसे पानी में दूध या तो दूध में पानी मिलकर एक दूसरे में आत्मसात हो जाते हैं। ठीक उसी तरह से भारत की संस्कृति वसुदेव कुटुंब की रही है। भारत की संस्कृति में प्रकृति की पूजा का प्रावधान है। भारत में जन्म लेने वाले और रहने वाले सभी लोग एक दूसरे की संस्कृति और एक दूसरे के विचारों को आत्मसात करते हैं। जिसके कारण ही भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश अनादिकाल से है, आगे भी रहेगा। हाल के वर्षों में जिस तरह से सांप्रदायिक उन्माद फैलाया जा रहा है। धर्म की सीढी के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने के लिये जिस तरह का आतंक फैलाया जा रहा है। यह सभी को समझ आने लगा है। पहलगाम की साजिश घटना को जिस तरह से हिंदू और मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश आतंकवादियों और सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों द्वारा की गई थी, उसे भारत के लोगों ने नकार दिया है। भारतीय मुसलमानों ने पहलगाम की इस आतंकवादी घटना के बाद जिस तरह से सारे देश और दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता संदेश दिया है। वह निश्चित रूप से सराहनीय है। इसका असर दीर्घकालीन होगा। आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मों के धर्म गुरुओं को आगे आकर धर्म को आगे करके जो आतंकवाद की लड़ाई हो रही है, आहुति डालनी होगी। तभी भारत और दुनिया के देशों को आतंकवाद से निजात मिलेगी। मानवीय जीवन में प्रकृति में जितने भी जीव है। उनके पोषण करने, उनकी रक्षा करने का दायित्व मानव समाज पर है। सभी धर्म के मूल गुण में यह शामिल है। सभी धार्मिक गुरु इस मामले में आगे आकर पहल करेंगे, तो निश्चित रूप से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में शांति का एक नया वातावरण बनेगा। भारत सहित दुनिया के देशों से सत्ता संरक्षित आंतक समाप्त होगा।

सनत जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सादगी और निष्ठा...

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा- वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा- उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ।

उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 455 अंक , निफ्टी 148 अंक ऊपर आया

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455 अंक बढ़कर 82,176.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 0.60 फीसदी 148 अंक ऊपर आकर 25,001.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन, आईटी और धातु शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एलएंडटी नेस्ले इंडिया, एचसीएलटेक और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक उछले

जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और इटरनल (जोमैटो) के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी ऑटो सूचकांक (1.08 फीसदी), निफ्टी आईटी सूचकांक (1.01 फीसदी) और निफ्टी मेटल सूचकांक (0.92 फीसदी) उछले। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में भी 0.63 फीसदी और 0.36 फीसदी की तेजी रही। अमेरिका के यूरोपीय यूनियन से आयात पर लगाए जाने वाले 50 फीसदी टैरिफ को टालने और व्यापार वार्ता की समयसीमा बढ़ाने से भी बैंकिंग और ऑटो शेयरों में उछाल आया जिसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुला। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को बल मिला। सुबह सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़ाकर 81,928.95 पर खुला। खुलते ही यह 500 से ज्यादा अंक चढ़ गया। सुबह शुरूआत के बाद यह 618.15 अंक की बढ़त लेकर 82,339.23 पर था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला। सुबह शुरूआत के बाद यह 164.20 अंक की बढ़त के साथ 25,017.35 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

सोने का भाव 95,900 रुपए... चांदी के भाव 97,900 रुपए

नई दिल्ली ■

इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोना नरमी व चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरूआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट सोमवार को 420 रुपये की गिरावट के साथ 96,001 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,421 रुपये था और यह 496 रुपये की गिरावट के साथ 95,925 रुपये के

भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 97,878 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,054 रुपये था। इस समय यह 140 रुपये की गिरावट के साथ 97,914 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी,जबकि चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

वोक्सवगन गोल्फ जीटीआई का भारतीय बाजार में फिर दिखेगा जलवा

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में एक बार फिर धूम मचाने को तैयार है वोक्सवगन गोल्फ जीटीआई कार की लॉन्चिंग सोमवार को होने वाली है। इस नई वर्शन में गोल्फ जीटीआई में बहुत सारे तकनीकी फीचर्स दिए जा रहे हैं जैसे 12.9 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, सात स्पीकर ऑडियो सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, और बहुत कुछ। गोल्फ जीटीआई में सात एयरबैग, ईबीडी, लेन असिस्ट, और एबीएस जैसे सुरक्षा फीचर्स भी दिए जा रहे हैं, जो इस कार को एक सुरक्षित विकल्प बना रहे हैं। गोल्फ में दो लीटर की क्षमता वाला टीएसआई इंजन होगा, जो इसे 0 से 100 किलोमीटर की गति प्राप्त करने में केवल 5.9 सेकंड लगाएगा।

भारतीय फार्मा इंडस्ट्री की पहुंच अमेरिका और यूरोप में

नई दिल्ली ■

भारतीय फार्मा इंडस्ट्री ने विश्वास जताया है, जब तकनीकी उन्नति और डीलों में जागरूकता के साथ वह अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर के माहौल में भी दिखाई दे रही है। भारतीय दवा कंपनियां दिखा रही हैं तेजी से विकास की राह पर हैं। निवेशकों के संकेतों के अनुसार सुवेन फार्मास्युटिकल्स के एग्जीक्यूटिव ने अप्रैल माह में एक बड़ी डील के लिए विदेशी कंपनी के अधिकारियों से संचार किया था। इसके साथ ही अनेक भारतीय कंपनियां नई तकनीकों को अपना रही हैं, जिससे उन्हें अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में मजबूती मिल सके। इसी बीच अमेरिकी कंपनीयां भारत के सीडीएमओ के प्रति रुचि जता रही हैं जिसका संकेत है विदेशी निवेशकों का भारत की फार्मा इंडस्ट्री में विश्वास। यह कदम भारत को अपनी निर्भरता को घटाने और वैश्विक स्तर पर पहुंचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों में कमी के संकेत के बाद एक्सपर्ट्स अमेरिकी दवा कंपनियों के लिए भारत में भी नए ?हिस्सेदार खोजने का सुझाव दे रहे हैं। यह स्थिति भारतीय सीडीएमओ के लिए नए अवसरों और उन्नति की संकेत भी हो सकती है।

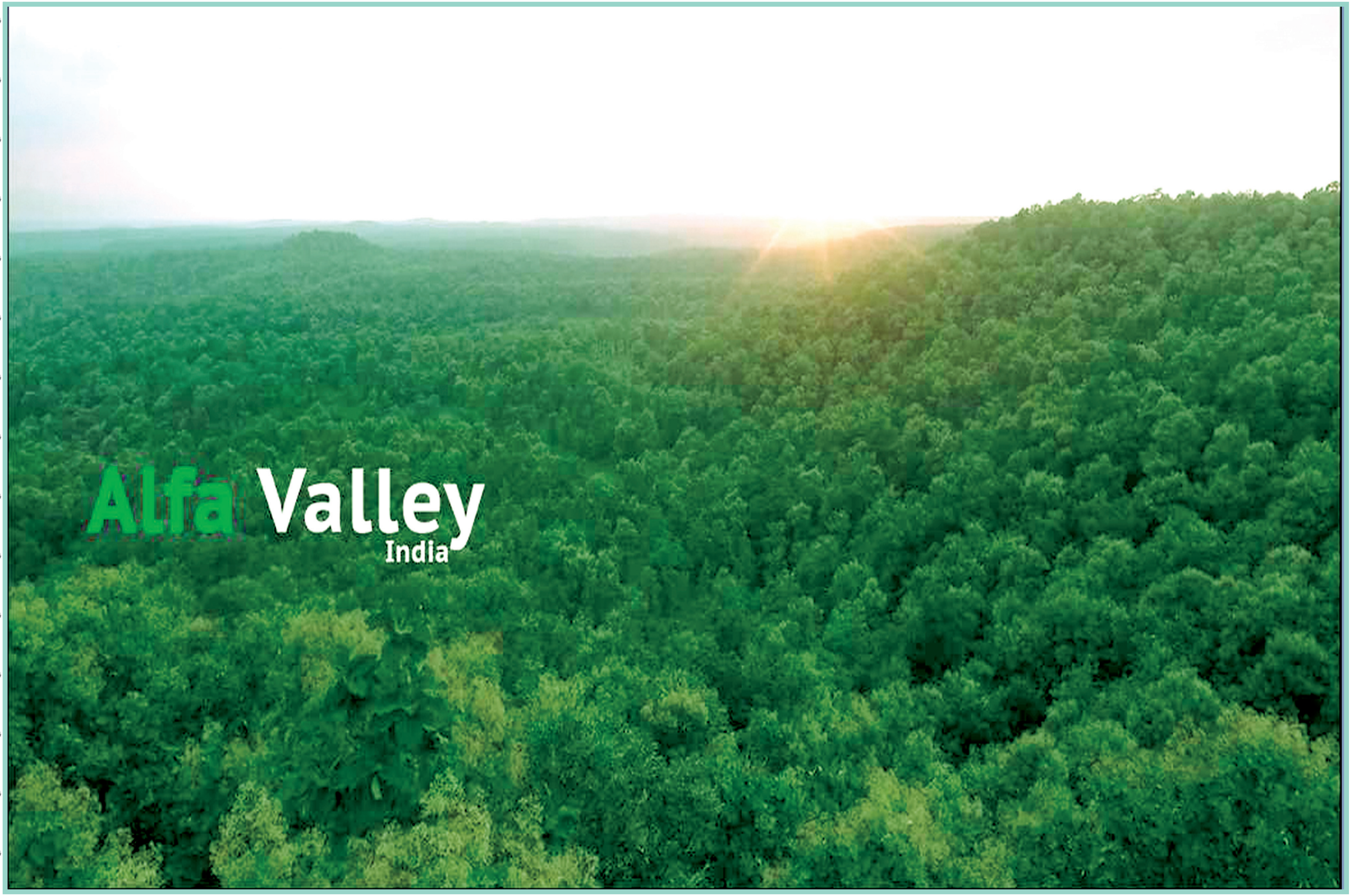

Alfa Valley
India

मनोरंजन

सेलिब्रिटी को कोसना अब ट्रेंड बन चुका है: पलक

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी प्रोफेशनल फ्रंट के साथ-साथ वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। खासकर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ उनके डेटिंग रूमर्स को लेकर आए दिन चर्चाएं होती रहती हैं। दोनों को कई बार साथ देखा गया है, जिससे इन खबरों को और हवा मिलती है। हाल ही में एक पाकिस्तानी फिल्म क्रिटिक तमूर इकबाल ने इब्राहिम की डेब्यू फिल्म नादानियां का मजाक उड़ाते हुए न केवल उनके अभिनय की आलोचना की, बल्कि उनकी नाक को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस पर अब पलक तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पलक तिवारी हाल ही में एक पॉडकास्ट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने करियर, निजी जीवन और ट्रोलिंग पर बेबाकी से बात की। पाकिस्तानी क्रिटिक के बयान को लेकर पलक ने कड़ी नाराजगी जताई और सेलिब्रिटीज़ को निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति पर खुलकर बोलीं। पलक ने कहा, अगर कोई चीज किसी फेमस सेलिब्रिटी से ज्यादा बिकती है, तो वह है उसे कोसना। आज के समय में यह एक चलन बन चुका है कि पब्लिक फिगर्स को नफरत दी जाए। यह बहुत ही शर्मनाक है। ट्रोलिंग हमेशा से रही है, लेकिन अब यह एक खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। पलक ने ट्रोल्स के दोहरे रवैये पर भी सवाल उठाया। सबसे पहले लोग किसी के लुक्स पर कमेंट करते हैं, फिर जब वही इंसान खुद को बेहतर बनाने के लिए कोई ट्रीटमेंट लेता है या कुछ बदलाव करता है, तो वही लोग कहते हैं कि 'आप ऐसा क्यों कर रहे हो? आप गलत उदाहरण पेश कर रहे हो।' पहले किसी को उसके रंग-रूप के लिए शर्मिंदा करना और फिर जब वह खुद में सुधार लाने की कोशिश करता है तो उसे नफरत का शिकार बनाना–ये दोहरा रवैया बेहद गलत है। बयान न केवल इब्राहिम के समर्थन में था, बल्कि सोशल मीडिया ट्रोलिंग और सेलिब्रिटीज़ को निशाना बनाए जाने के पूरे ट्रेंड पर सवाल उठा दिया है।

ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स खरीदे रणदीप हुड्डा ने

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने सेना पर आधारित किताब ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स खरीद लिए हैं और इस कहानी को बड़े पर्दे पर जीवंत करेंगे। रणदीप अपनी हालिया फिल्म जाट की सफलता के बाद अब एक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं। रणदीप इस फिल्म में अभिनय भी करेंगे। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है, क्योंकि यह सिर्फ युद्ध की लड़ाई नहीं बल्कि बलिदान, भाईचारे और कठिन परिस्थितियों में हिम्मत बनाए रखने की मिसाल है। एक रिपोर्ट के अनुसार 'ऑपरेशन खुकरी: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मी के ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' किताब के लेखक मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया हैं। रणदीप इस सच्ची घटना पर आधारित एक मिलिट्री ड्रामा फिल्म बनाएंगे, जिसमें भारतीय सेना के बहादुर अभियानों को दिखाया जाएगा, जो विदेशों में किए गए थे। रणदीप ने कहा कि मेजर जनरल पुनिया का किरदार निभाना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है। उन्होंने 75 दिनों की घेराबंदी में फंसे सैनिकों को एक खतरनाक मिशन के दौरान बचाया था। रणदीप का मकसद भारतीय सेना के उस इतिहास के अनदेखे हिस्से को सामने लाना है, जिसे पर्याप्त मान्यता नहीं मिली है। उनकी यह कहानी हर भारतीय के दिल को छू जाएगी और प्रेरणा देगी। यह फिल्म साहस, नेतृत्व और देशभक्ति की जीवंत मिसाल होगी, जिसे रणदीप हुड्डा बड़े पर्दे पर पेश करने जा रहे हैं।

'बाथरूम सिंगर' बनना चाहते है अर्जुन

सोशल मीडिया पर एक्टर अर्जुन कपूर का एक मजाकिया वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अर्जुन ने अपनी म्यूजिक पसंद के बारे में खुलकर बातचीत की। अर्जुन कपूर ने बताया कि इन दिनों उनका सबसे पसंदीदा गाना साल 2005 की फिल्म एक अजनबी का हिट ट्रैक 'मामा टोल्ड मी' है। अर्जुन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर अपनी बहन अंशुला कपूर के साथ साझा किया है, जहां दोनों म्यूजिक के बारे में बातें करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में अर्जुन ने लिखा, इस प्लेलिस्ट का कोई एक स्टाइल नहीं है... बस जज्बात हैं। आपकी प्लेलिस्ट में इस समय सबसे अजीब गाने कौन से हैं? वीडियो में अर्जुन मजाक में कहते हैं, मैंने तय किया है कि मैं बाथरूम सिंगर बनना चाहता हूं। इस पर अंशुला हंसते हुए जवाब देती हैं कि घर में हर साइज के पोर्टेबल स्पीकर मौजूद हैं। अर्जुन अपनी प्लेलिस्ट स्क्रॉल करते हुए बताते हैं कि उनका म्यूजिक कलेक्शन कितना अजीब है और वे ऐसे गाने ढूंढ़ रहे हैं जिसे वे सबको सुझा सकें। उन्होंने 'आया रे तूफान' गाने को अपनी पसंदीदा सूची में बताया, जो विक्की कौशल की फिल्म छावा का है। अंशुला इस पर चुटकी लेते हुए कहती हैं कि अर्जुन की म्यूजिक पसंद में कोई ठिकाना नहीं है क्योंकि उनकी प्लेलिस्ट में हर तरह के गाने मौजूद हैं। अर्जुन ने आगे बताया कि उनकी प्लेलिस्ट में पुराने और नए दोनों तरह के गाने शामिल हैं। पहले 'गोरी है कलाइयां', फिर डांस नंबर 'बेबी जॉन' और फिर अचानक से इमोशनल गाना 'दूरियां' जो फिल्म लव आजकल (2007) का है।

LiTTAL®
www.pramodmarutiparts.com

प्रणय-लक्ष्य और सिंधू सिंगापुर ओपन में पेश करेंगे चुनौती, सात्विक-चिराग से भी वापसी की उम्मीद

सिंगापुर ■ एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी फिटनेस संबंधी चिंताओं को दूर करने के बाद मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सितारों से सजी भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने पिछली बार मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में चुनौती पेश की थी। यह जोड़ी हालांकि चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर में ही हट गई थी। सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे सुदीरमन कप से भी नहीं खेल सके थे।

इस साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे वाली यह भारतीय जोड़ी यहां मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पिछले सप्ताह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचकर किदांबी श्रीकांत ने खुद की और पिछले कुछ महीनों में भारतीय बैडमिंटन पर छाई निराशा को दूर करने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने पिछले कुछ महीनों से भारत के एकल खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सप्ताह दर सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहने की परिपाटी को तोड़ा। श्रीकांत हालांकि इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे लेकिन वह अपने हमवतन खिलाड़ियों को 10 लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अच्छा करने के लिए प्रेरित जरूर करेंगे। विश्व चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने कुआलालंपुर में श्रीकांत के शानदार प्रदर्शन को करीब से देखा था। वह डेनमार्क के रासमस गेम्के के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते

समय इसी तरह का दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। प्रणय पिछले साल चिकनगुनिया से जूझने के बाद लय हासिल करने की कोशिश में हैं। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में लिन चुन-यी का सामना करके अपनी फिटनेस पर संदेह को दूर करना चाहेंगे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अल्मोड़ा के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से निराशाजनक प्रदर्शन किया है। वह इस सत्र में चार बार शुरुआती दौर से ही बाहर हो गये हैं। प्रियांशु राजावत भी मौजूदा सत्र में प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। तेईस साल का यह खिलाड़ी छह प्रतियोगिताओं में शुरुआती दौर की बाधा पार करने में विफल रहा है। किरण जॉर्ज भी इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। वह चीन के वेंग हांग यांग के खिलाफ अपने मौके को भुनाना चाहेंगे। महिला एकल में अनुभवी पीवी सिंधू अब भी वापसी की राह पर है। अपनी कोचिंग टीम में कई बार बदलाव करने के बाद बावजूद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी है। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को फरवरी में गुवाहाटी में अभ्यास के दौरान हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों की खिंचाव) की चोट लगी थी। उन्हें इसके कारण एशिया टीम चैंपियनशिप से बाहर होना पड़ा था।

इंग्लैंड दौरे से होगी भारतीय टीम के नये डब्लयूटीसी चक्र की शुरुआत

मुम्बई ■ एजेंसी

भारतीय टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। ये सीरीज इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे 2025-27 के विश्वटेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) चक्र की भी शुरुआत होगी। इस सीरीज में भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना उतरेगी क्योंकि इन तीनों ने ही संन्यास ले लिया है। इस दौरे से एक खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम सामने आयेगी।

शुभमन की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज के बाद आगे भी भातरीय टीम को कई और मुकाबले खेलने हैं। डब्लयूटीसी के एक चक्र में किसी टीम को 6 सीरीज खेलनी होती हैं जिनमें 3 घरेलू और 3 विदेशी धरती पर खेली जाती हैं। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके बाद नवंबर में दक्षिण अफ्रीकी टीम भी 2 टेस्ट मैच खेलने भारत दौरे पर आएगी। वहीं साल 2026 में भारतीय टीम केवल 4 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त 2026 में भारतीय टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी, वहीं अक्टूबर 2026 में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। भारतीय टीम को 2027 में होने वाले (डब्लयूटीसी) चक्र का अंतिम मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया से ही खेलना होगा। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगी।

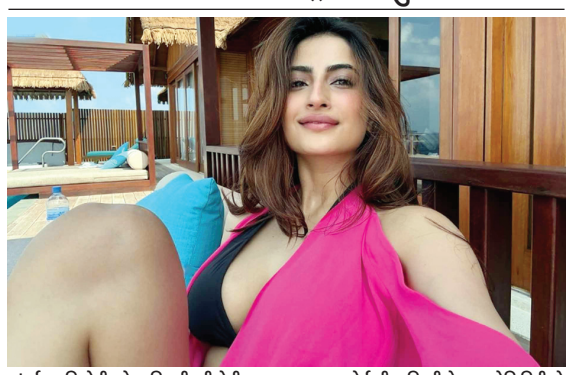

सुदर्शन का लक्ष्य इंग्लैंड दौरे में बेहतर प्रदर्शन करना

युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किये जाने से बेहद खुश है और उनका लक्ष्य इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित करना है। सुदर्शन ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी जमकर रन बनाये हैं जिससे वह उत्साहित हैं। दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि सुदर्शन की तकनीक काफी अच्छी है जिसका लाभ उन्हें इंग्लैंड में मिलेगा। सुदर्शन ने कहा कि ये तो सिर्फ शुरुआत है। सुदर्शन ने कहा कि, मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना ही बहुत बड़े सम्मान की बात है। ये बहुत शानदार विशेष और अविश्वसनीय अहसाह है। साथ ही कहा कि कोई भी खिलाड़ी जो क्रिकेट खेलना शुरू करता है, उसका अंतिम लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट खेलना होता है। सुदर्शन ने कहा कि वह यहां तक अपने माता पिता और रिश्तेदारों के सहयोग से पहुंचे हैं।

यूरोपीय चरण के लिए तैयार भारतीय टीम, उपकप्तान बोले- हम जीतकर विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि भारत एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में हर अंक के लिए मेहनत करेगा ताकि खिताब जीतकर अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर सके। भारतीय टीम एफआईएच अंक तालिका में 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड शीर्ष पर और बेल्जियम दूसरे स्थान पर है।

सात जून से होगी यूरोप चरण की शुरुआत

प्रो लीग का यूरोप चरण सात जून से शुरू होगा और टूर्नामेंट के विजेता को 2026 विश्व कप में अपने आप जगह मिलेगी। हार्दिक ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, हमने टीम में इस बारे में बात की है और मेरा मानना है कि रणनीति पर टिके

रहकर, पर्याप्त अंक लेकर और जीत के लिये मेहनत करके हमारे पास प्रो लीग के जरिये विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने का सुनहरा मौका है। ऑस्ट्रेलिया इस समय प्रो लीग में छठे स्थान पर है और लीग का पिछला चैंपियन होने के नाते उसे विश्व कप में सीधे प्रवेश मिल गया है। बेल्जियम और नीदरलैंड मेजबान होने के नाते स्वतः क्वालिफाई करेंगे। जर्मनी पांचवें स्थान पर है और उसे अभी छह मैच और खेलने है। भारत की क्वालिफिकेशन की उम्मीदों के लिये जर्मनी ही खतरा हो सकता है। हार्दिक ने कहा, बेल्जियम और नीदरलैंड विश्व कप 2026 के मेजबान होने के नाते स्वतः क्वालीफाई कर लेंगे ।

वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को डीएलएस से 197 रनों से हाराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केसी कार्टी के करियर के सर्वश्रेष्ठ 170 रनों और शाई होप तथा जस्टिन ग्रीव्स के अर्धशतकों की मदद से वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मैच में आयरलैंड को डीएलएस पद्धति से 197 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। बारिश की वजह से बाधित इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 385 रन बनाए। बारिश के कारण आयरलैंड का लक्ष्य 46 ओवरों में 363 रन कर दिया गया था। आयरलैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।

आयरलैंड ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज के केसी कार्टी ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा, जबकि होप और ग्रीव्स ने अर्धशतकीय पारी खेली। वेस्टइंडीज का पहला विकेट सिर्फ 4 रन के ही स्कोर पर गिर गया। वेस्टइंडीज को दूसरा 31 रन के स्कोर पर गिरा। उसके बाद केसी कार्टी और साई होप ने तीसरे विकेट के लिए 147 गेंदों पर 137 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला। साई होप 75 गेंदों में 75 रन बना कर आउट हो हुए। फिर कार्टी ने अमीर जांगो के साथ चौथे विकेट के लिए 71 गेंदों पर 78 रन की साझेदारी की जांगो ने 36 गेंदों का सामना कर 22 रन बनाए। उसके बाद कार्टी ने पांचवें विकेट के लिए जस्टिन ग्रीव्स के साथ 40 गेंदों पर 97 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 385 रन तक पहुंचाने में अहम रोल निभाया।

अयूब को नया टी20 कप्तान बनायें : अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम अयूब को नया टी20 कप्तान बनाया जाना चाहिये। अफरीदी ने कहा हे कि अपने अब के करियर में अयूब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे सभी प्रभावित हैं। अफरीदी ने कहा कि अयूब ने धीमी शुरुआत की है पर एक लय पकड़ने के बाद वह आगे बढ़ते गये हैं। पिछले साल 2024 में इस बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन एकदिवसीय शतक लगाये थे। यही नहीं इसी साल उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की पारी भी खेली थी। एक खास कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा, हमें ऐसे कप्तान की जरूरत है जो खेल के प्रति सकारात्मक रुवैया रखता हो।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place, for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley, our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising 100000 trees, water conservation, organic farming and a wellness center.
- Spread across 220 acres of green land in Saras.
- Situated near Kolar Dam, Bhopal.
- Ample open space around the property.
- Fabulous Views over the countryside.
- Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+91 9977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com